Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News

सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...

घटती घटना

RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022

अम्बिकापुर, वर्ष 19,अंक -24 गुरूवार,24 नवम्बर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

जो कुछ करना चाहते हो उसे दृढ़ निश्चयी चित से करो। संदेह की तुलना पर आरूढ़ होने की अपेक्षा नीचे रहना ही अच्छा है।
- मुनि गणेश वर्णी-

राष्ट्रपति चुनाव में कांग्रेस ने आदिवासी महिला का क्यों नहीं किया समर्थन

दाहोद (गुजरात)23 नवम्बर 2022(ए)। गुजरात में चुनाव प्रचार काफी जोर-शोर से चल रहा है। सभी पार्टियों ने चुनाव प्रचार में एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है। पीएम मोदी पिछले तीनों दिनों गुजरात में जनसभाएं और रोडशो कर रहे हैं। यहां पर उनके निशाने पर कांग्रेस पार्टी है। दाहोद में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सवाल किया कि अगर विपक्षी दल को आदिवासियों की इतनी चिंता है तो कांग्रेस ने राष्टपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मू का समर्थन क्यों नहीं किया। वह मध्य गुजरात के आदिवासी बहुल दाहोद शहर में क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवारों के लिए एक चुनावी रैली में बोल रहे थे। विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 5 दिसंबर को मध्य गुजरात के निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान होगा।

पीएम मोदी ने अपने भाषण में भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र किया

सूरत जिले के आदिवासी बहुल महुवा गांव में सोमवार को एक रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर आदिवासियों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया था। पीएम मोदी ने भाषण में गांधी और उनकी चल रही भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र किया।
कांग्रेस ने राष्टपति चुनाव में समर्थन देने के बजाय अपना खुद का चुनाव मैदान में उतारा
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक व्यक्ति सत्ता वापस पाने के लिए पदयात्रा कर रहा है। अपने भाषण में वह आदिवासियों के बारे में बात करता है। मैं उससे पूछना चाहता हूं कि कांग्रेस ने राष्टपति चुनाव में भाजपा की महिला आदिवासी उम्मीदवार का समर्थन क्यों नहीं किया? इसके बजाय उसे हराने के लिए उन्होंने अपना खुद का चुनाव मैदान में उतारा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रयासों के बावजूद द्रौपदी मुर्मू आदिवासी लोगों के आशीर्वाद से राष्टपति बनीं।

आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाकर भाजपा ने पूरी दुनिया को दिया संदेश

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने कभी एक आदिवासी (आदिवासी) को अपना राष्टपति बनाने के बारे में क्यों नहीं सोचा? यह भाजपा ही थी जिसने पहली बार एक आदिवासी व्यक्ति को वह भी एक महिला को हमारे देश का राष्टपति बनाया और दुनिया को एक संदेश दिया।

दाहोद के परेल क्षेत्र में रेलवे लोकोमोटिव के निर्माण के लिए 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश

उन्होंने कांग्रेस पर दाहोद के ब्रिटिश काल के परेल क्षेत्र के विकास पर ध्यान नहीं देने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लेकिन पीएम के रूप में मैंने इसे याद किया और अब रेलवे लोकोमोटिव के निर्माण के लिए यहां 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश आया है। इन लोकोमोटिव को अन्य देशों में भी निर्यात किया जाएगा। इस भारी निवेश से अंततः स्थानीय लोगों को फायदा होगा। पीएम मोदी ने कहा कि दाहोद जिले को भाजपा सरकार के तहत इंजीनियरिंग और नर्सिंग कालेज, एक मेडिकल कालेज, नल के पानी के कनेक्शन और स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत सुविधाओं के विकास सहित कई सुविधाएं और लाभ प्राप्त हुए हैं।

ऑनलाइन गेमिंग पर वसूला जाएगा 28 प्रतिशत जीएसटी

नई दिल्ली 23 नवम्बर 2022(ए)। राज्यों के वित्त मंत्रियों की समिति ऑनलाइन गेमिंग पर समान रूप से 28 प्रतिशत जीएसटी की सिफारिश कर सकती है। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि समिति की सिफारिशें सभी ऑनलाइन गेम के लिए होंगी, फिर चाहें उनमें कौशल का इस्तेमाल होता हो या सिर्फ संयोग के आधार पर जीत-हार होती हो। हालांकि, जिस राशि पर वस्तु एवं जीएसटी लगाया जाएगा, उसकी गणना के लिए समिति एक संशोधित सूत्र का सुझाव दे सकती है।
फिलहाल ऑनलाइन गेमिंग पर 18 फीसदी जीएसटी लगता है। यह कर सकल आय पर लगाया जाता है, जो ऑनलाइन गेमिंग पोर्टल द्वारा लिया जाने वाला शुल्क है। सूत्रों ने कहा कि जीओएम की रिपोर्ट लगभग तैयार है और इसे जल्द ही जीएसटी परिषद को विचार के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

पकड़े गए पाकिस्तानी नागरिक को किया वापस

जम्मू ,23 नवंबर2022(ए)। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा पकड़े गए एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तारी के कुछ ही घंटों के भीतर स्वदेश भेज दिया गया।अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान के रंगूर गांव के रहने वाला शहजाद को अंतरराष्ट्रीय सीमा के रामगढ़ सेक्टर में बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजरों के बीच एक फ्लैग मीटिंग के दौरान वापस भेज दिया गया, जब वह भारतीय सीमा में आने की कोशिश कर रहा था।
उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान व्यक्ति मानसिक रूप से विक्षिप्त पाया गया।

खुद को आयकर अधिकारी बताने वाली महिला गिरफ्तार

लखनऊ ,23 नवंबर2022(ए)। खुद को आयकर विभाग की अधिकारी बताकर बेरोजगारों को नौकरी का लालच देकर ठगी करने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। महिला को कार्यालय परिसर में एक कैफेटेरिया में विभाग में विभिन्न पदों के लिए जाली साक्षात्कार करते पकड़ा गया।
आरोपी प्रियंका मिश्रा ने कथित तौर पर नौकरी के इच्छुक कुछ लोगों से पैसे लिए और उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र दिया।
पुलिस ने मामले में सात अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है।
आईटी विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, शाहजहांपुर जिले की निवासी प्रियंका मिश्रा के पास से विभाग की नकली मुहर भी बरामद हुई।।

वैशाली जिले में पेट्रोल टैंकर में विस्फोट,चालक, सह चालक सहित 3 की मौत

पटना ,23 नवंबर2022(ए)। बिहार के वैशाली जिले के गोरौल थाना क्षेत्र में बुधवार को वेल्डिंग कराने के क्रम में एक पेट्रोल टैंकर में विस्फोट होने से टैंकर चालक, सहचालक (खलासी) सहित तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि इतने ही लोग घायल बताए जा रहे हैं। इस बीच, पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक, हाजीपुर-मुजफ्फरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गोड़िया पुल के समीप एक दुकान में भारत पेट्रोलियम के एक खाली टैंकर में रिसाव आने के बाद वेल्डिंग का कार्य किया जा रहा था। इसी दौरान टैंकर में विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से टैंकर का चालक, सह चालक और वेल्डिंग करने वाले मिस्त्री की मौत हो गई।

पीओके पर सेना का बड़ा बयान

गुलाम कश्मीर लेने को हैं तैयार,बस एक आदेश का इंतजार

नई दिल्ली ,23 नवंबर2022(ए)। उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी का गुलाम कश्मीर को लेकर बड़ा बयान आया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना पीओके को वापस लेने जैसे आदेशों को पूरा करने के लिए तैयार है। ज्ञात हो कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह और राजनाथ कई बार कह चुके हैं कि गुलाम कश्मीर भारत का हिस्सा है, हम इसे लेकर रहेंगे। इस बारे में भारत की संसद में प्रस्ताव पारित हो चुका है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का गुलाम कश्मीर वापस लेने का बयान पर उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि जहां तक भारतीय सेना का संबंध है, वह भारत सरकार द्वारा दिए गए किसी भी आदेश को पूरा करेगी। जब भी इस तरह के आदेश दिए जाएंगे, हम इसके लिए हमेशा तैयार रहेंगे। युद्ध विराम को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच समझौते पर उत्तरी सेना के कमांडर उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि सेना हमेशा यह सुनिश्चित करने के लिए तैयार है कि दोनों देशों के बीच युद्धविराम का समझौता कभी न टूटे क्योंकि यह दोनों देशों के हित में है। लेकिन अगर कभी भी टूटा तो हम उन्हें करारा जवाब देंगे।

उन्होंने आगे कहा कि सीमा पार लॉन्चपैड पर लगभग 160 आतंकी बैठे हैं जिनमें पीर पंजाल के 130 उत्तर और पीर पंजाल के दक्षिण में 30 हैं। पूरे भीतरी इलाकों में कुल 82 पाकिस्तानी आतंकवादी और 53 स्थानीय आतंकवादी बैठे हैं। चिंताजनक यह है कि लगभग 170 अज्ञात आतंकी सेना के पास सूचीबद्ध हैं, जिन्हें आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का काम सौंपा गया है।
अनुच्छेद-370 निरस्त होने के बाद सुरक्षा स्थिति के बारे में जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि सुरक्षा परिदृश्य में पांच अगस्त, 2019 के बाद एक बड़ा बदलाव देखा गया है। उन्होंने कहा कि शांति और विकास को गति मिली है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी हथियारों की कमी का सामना कर रहे हैं और पड़ोसी देश पिस्तौल, ग्रेनेड और ड्रग्स की खेप भेज रहा है।

गुजरात चुनाव में उतरे बगैर मान्यता के 50 से अधिक पार्टियों के प्रत्याशी

गांधीनगर ,23 नवंबर-2022(ए)। अगले महीने में होने जा रहे हैं गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए प्रमुख राजनीतिक पार्टियों की ओर से चुनाव प्रचार जोर-शोर से शुरू हो चुका हैं। इस चुनाव में सरदार वल्लभभाई पटेल पार्टी (एसवीपीपी), पचसी परिवर्तन पार्टी (पीपीपी), राष्ट्रीय महासभा पार्टी (एनएमपी), जनसेवा ड्राइवर पार्टी (जेडीपी) और लॉग जैसी पार्टियों समेत लगभग 50 ऐसी गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियां हैं जिन्होंने अपने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारे हैं।

हालांकि, ये पार्टियां पंजीकृत तो हैं लेकिन गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियों के संक्षिप्त रूप हैं। साल 2017 के गुजरात विधानसभा चुनाव में ऐसी 54 पार्टियों के 367 उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा था और 1.71 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। यानी इन उम्मीदारों ने कुल 5,13,030 वोट हासिल किए थे। राजनीतिक विश्लेषक नरेश वारिया ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान कहा कि हम सामान्य ज्ञान, राजनीति और चुनाव से जुड़े पेशे में हैं।
इसलिए हमें चुनाव आयोग के द्वारा जब लिस्ट जारी की जाती है तब हमें उम्मीदवारों का नाम पढ़ने का मौका मिलता है। वहीं आम आदमी को भी मतदान के दिन जानने का मौका मिलता है वह भी तब जब वे ईवीएम मशीन पर पूरे बैलेट पेपर या उम्मीदवार की सूची को पढ़ें हैं।
इसके अलावा उन्होंने कहा कि गैर-मान्यता प्राप्त पार्टियां के जो उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतरे हैं वे ज्यादा एक्टिव नहीं हैं। इतनी छोटी पार्टी को कोई नाम और शोहरत तभी मिल सकती है जब कोई नेता पार्टी में शामिल हो। वारिया करते हैं कि वरिष्ठ पत्रकार सुरेश वनोल ने भी गैर चुनावी दिनों में शायद ही इन राजनीतिक दलों के बारे में सुना हो। लेकिन चुनावों में ऐसी पार्टी या व्यक्ति के बारे में उनका एक दिलचस्प तथ्य सामने आया है। इस बार के चुनावों में सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी मनु पटेल को जब उंझा सीट से प्रमुख पार्टियों से टिकट नहीं मिला तो उन्होंने एक निर्दलीय के रूप में खड़े होने का प्रयास किया। सुरेश वनोल ने जब उनसे पूछताछ की तो मनु पटेल ने कहा, वह सिस्टम में बदलाव लाना चाहते हैं। यही कारण है कि मैं चुनाव लड़ना चाहता हूं।
लेकिन तीनों प्रमुख पार्टियों ने उन्हें टिकट नहीं दिया तो आखिरकार सोमवार को उन्होंने अपना पर्चा वापस ले लिया।

डाइकोविन प्लस,पेरासिटामॉल समेत 50 दवा टेस्ट में हुईं फेल

नई दिल्ली ,23 नवंबर2022(ए)। देशभर की 50 दवाएं ड्रग स्टैंडर्ड टेस्ट में अमनाक पाई गई हैं। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने अक्टूबर के महीने में देश भर के अलग-अलग प्रयोगशालाओं से आए 1280 दवाइयों में से 50 दवाओं को टेस्ट में फेल कर दियै हौ। संस्था के अनुसार यह एक रूटीन प्रक्रिया है। हर माह दवाइयों के सैंपल जांच के लिए आते हैं और अलग-अलग कारणों से स्टैंडर्ड और गुणवत्ता की जांच सही पाए जाने वाली दवाइयों को ही अप्रूव किया जाता है।

इन राज्यों में बनती थीं ये दवाएं

एक राज्य से दूसरे राज्य की भौगोलिक स्थिति, डेमोग्राफी और क्लाइमेट जैसी स्थितियों के अलावा ब्रांड मैचिंग जैसी वजह से भी दवाएं टेस्ट में फेल हो सकती है। इन सैपलों को दवाओं के दवा सुरक्षा के मानकों पर खरा न उतने की वजह से फेल किया गया है. फेल की गई दवाओं का निर्माण हरियाणा, कोलकाता, असम, बिहार, गुजरात, उत्तर प्रदेश , झारखंड समेत उत्तराखंड में हुआ था। इन 50 दवाओं में से अकेले उत्तराखंड की ही 11 दवाएँ शामिल हैं।
सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन ने इन दवा कंपनियों को कारण बताओ नोटिस कर दिया है। साथ ही कंपनियों को इन दवाओं का पूरा स्टॉक बाजार से हटाने के निर्देश दिए गए हैं। अक्टूबर से पहले इसी तरह स्वास्थ्य मंत्रालय ने जून में 26, जुलाई में 53,अगस्त में 45, सितंबर में 59 दवाओं के सैंपल को टेस्ट में फेल किया था। ये दवाईयां भी मानकों पर खरी नहीं उतरी थीं।

एंटीबायोटिक के रूप में होता है इस्तेमाल

जो दवाएं फेल हुई हैं इनमें से अधिकतर का इस्तेमाल एंटीबायोटिक के रूप में किया जाता है। इसके अलावा अन्य दवाएं बुखार, उल्टी, सिरदर्द और विटामिन के रूप में ली जाती हैं। 18 अक्टूबर के आस-पास हुए टेस्ट में हिमाचल प्रदेश में बनी हुई कई दवाओं को टेस्ट में फेल किया गया था और बाजारों से वापस लेने का आदेश दिया गया था।

एंटीबायोटिक दवाओं की बढ़ गई है खपत

देश में एंटीबायोटिक दवाओं की खपत काफी बढ़ गई है। 2019 में देश में 500 करोड़ एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन किया गया था। कोरोना महामारी के दौरान भी दवाओं की मांग में काफी उछाल आया था।

चुनाव आयुक्त की नियुक्ति पर एससी ने किया सवाल-नियुक्ति की प्रक्रिया बताए सरकार

नई दिल्ली ,23 नवंबर2022(ए)। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त की नियुक्ति किए जाने पर बड़ा दखल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयुक्त के तौर पर अरुण गोयल की नियुक्ति संबंधी फाइल मांगी है। कोर्ट ने कहा है कि सुनवाई शुरू होने के तीन दिन के भीतर नियुक्ति हो गई। हम जानना चाहते हैं कि नियुक्ति के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई गई। अगर ये नियुक्ति कानूनी है तो फिर घबराने की जरूरत नहीं है। उचित होता अगर अदालत की सुनवाई के दौरान नियुक्ति ना होती।

पंजाब कैडर के रिटायर्ड आईएएस अधिकारी अरुण गोयल को चुनाव आयुक्त नियुक्त किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाते हुए अपने टिप्पणी में कहा है कि हम चाहते हैं कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया पारदर्शी हो। जस्टिस अजय रस्तोगी ने टिप्पणी की कि हम यह नहीं कह रहे कि यह प्रक्रिया गलत है, लेकिन प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए। सरकार हमें वह मैकेनिज्म बताइए जिससे चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की जाती है।

हिजाब को लेकर भिड़े छात्रों के दो गुट,रद्द करनी पड़ी परीक्षा

कोलकाता ,23 नवंबर-2022(ए)। देश में हिजाब को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। कर्नाटक के एक स्कूल से शुरू होकर यह मुद्दा देश के अन्य राज्यों को प्रभावित कर रहा है जिसके कारण और विवाद भी बढ़ता जा रहा है। हिजाब का मुद्दा पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल भी पहुंच गया है । हावड़ा में हिजाब को लेकर छात्रों के दो गुटों की बीच बात इतनी बढ़ गई कि सरकारी स्कूल में चल रही परीक्षा को रद्द करनी पड़ गई । कुछ छात्राएं हिजाब पहनकर परीक्षा देने पहुंची थीं । इसके बाद छात्रों के दूसरे गुट ने नामाबली के साथ स्कूल में प्रवेश करने की अनुमति देने की मांग की । इसको लेकर जारी बहस छात्रों के दो गुट के बीच टकराव में बदल गया । छात्रों के बीच तकरार को देखते हुए सरकारी स्कूल में चल रही परीक्षा को रद्द करनी पड़ गई।

दिल्ली में एक और दिल दहलाने वाली वारदात

मां,पिता,बहन और दादी की हत्या

नई दिल्ली ,23 नवंबर2022(ए)। लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाली युवती की हत्या कर कई टुकड़ों में फेंकने की दिल दहलाने वाली जघन्य वारदात के बाद अब एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक युवक द्वारा अपने माता-पिता सहित 4 लोगों की हत्या करने की खबर मिली है। पालम इलाके में पुलिस ने एक घर से चार लोगों की लाश बरामद की हैं। आरंभिक जानकारी के अनुसार एक शख्स ने अपने माता-पिता, बहन और दादी को चाकू से वार कर मौत के घाट उतार दिया।मिली जानकारी के अनुसार आरोपी ड्रग्स का आदी है और हाल ही में ड्रग एडिक्शन सेंटर से बाहर आया है। पुलिस ने आरोपी की पहचान कर ली है। 25 वर्षीय आरोपी केशव को गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी युवक ने अपने पिता 42 वर्षीय दिनेश कुमार, दादी दीवानों देवी, मां दर्शन सैनी और बहन उर्वशी की हत्या की है।

भारत के इस गांव में चलता है अपना ही 'कानून',सियासी दल नहीं कर सकते प्रचार

गांधीनगर ,23 नवंबर-2022(ए)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल पूरे जोश में हैं। सभी पार्टियों के प्रत्याशी पार्टी के समर्थन में सियासी मैदान में उतर पड़े हैं। इस बीच, गुजरात का एक गांव ऐसा भी है जहां सन्नाटा पसरा हुआ है।
यह गांव है राजकोट जिले के राज समधियाला गांव जहां राजनीतिक दलों को चुनाव प्रचार करने की परमिशन नहीं है। यह परंपरा गांव के लोगों ने ही शुरू की है। अगर गांव का कोई शख्स वोट नहीं करता है तो उसपर जुर्माना भी लगाया जाता है। जिला मुख्यालय से 21 किलोमीटर दूर राज समधियाला गांव के बाहर एक नोटिस बोर्ड लगा है, जिसमें चुनाव प्रचार पर रोक समेत कई तरह के प्रतिबंध छपे हैं।

बगैर प्रचार के यहां होती है रिकॉर्ड वोटिंग

इस गांव में किसी भी पार्टी का नेता या उम्मीदवार ना तो रैली निकाल सकते हैं और न ही घर-घर जाकर वोट मांग सकते हैं। गांव में बगैर प्रचार के भी यहां रिकॉर्ड स्तर पर वोटिंग होती है। अगर इस गांव का कोई निवासी मतदान नहीं करता है तो उसपर 51 रुपए का जुर्माना भी लगाया जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस गांव में 1983 से ही सियासी दलों के चुनाव प्रचार पर रोक लगी हुई है। चुनाव प्रचार पर पाबंदी लगाने के रिजन पर गांव के लोगों का मानना है कि राजनीतिक दलों के आने से गांव का माहौल खराब होता है। इसका असर गांव के लोगों पर पड़ता है। इस अनोखे नियम को यहां के एक पुराने सरपंच हरदेव सिंह ने बनाया था।

C M Y K

संपादकीय

उपभोक्ता अधिकार के पक्ष में

उड़ानों के रद्द होने या देरी से उड़ने के कारण यात्रियों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई अब विमान कंपनियों को करनी होगी। अमेरिका ने कहा है कि इन कंपनियों ने इतनी देर की जिससे ग्राहकों के अधिकारों का उल्लंघन हुआ।

अमेरिका में छह विमानन कंपनियों को ग्राहकों के लगभग दस अरब रुपये लौटाने का आदेश दिया गया है। इन कंपनियों में भारत की एयर इंडिया भी है। इन कंपनियों पर लगभग साढ़े सात करोड़ रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। एयर इंडिया से अपने ग्राहकों को 12.15 करोड़ डॉलर यानी लगभग नौ अरब 85 लाख रुपये लौटाने को कहा गया है। मामला कोविड-19 महामारी के दौर का है। तब उड़ानों के रद्द होने या देरी से उड़ने के कारण यात्रियों को जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई अब विमान कंपनियों को करनी होगी। अमेरिका के परिवहन मंत्रालय ने कहा है कि इन कंपनियों ने इतनी देर की जिससे ग्राहकों के अधिकारों का उल्लंघन हुआ। 2020 की शुरुआत में जब महामारी का फैलना शुरू हुआ, तो लगभग सभी देशों ने अपनी सीमाएं बंद कर दी थीं और आवाजाही बंद हो गई थी। इस वजह से विमानों की आवाजाही या तो बंद हो गई या अत्यधिक प्रभावित हुई। तब हजारों लोगों ने परिवहन मंत्रालय को विमानन कंपनियों की शिकायत की थी। सबसे ज्यादा शिकायतें रिफंड ना मिलने की हुई थीं।

अमेरिका के परिवहन मंत्रालय ने कहा है कि जब अमेरिकी लोग किसी एयरलाइन की टिकट खरीदते हैं, तो वे उम्मीद करते हैं अपनी मंजिल पर सुरक्षित, पूरे भरोसे के साथ और वाजिब खर्च में पहुंच जाएंगे। मंत्रालय ने कहा है- 'हमारा काम यह सुनिश्चित करना है कि विमानन कंपनियां इन उम्मीदों को पूरा करें।'

जांच एजेंसियों की निष्पक्षता

बैंकों का धन लूटकर विदेशों में धन शोधन करने वाले बड़े औद्योगिक घरानों की जांच को लेकर एजेंसियां आए दिन विवादों में घिरी रहती हैं।

भगोड़े वित्तीय अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजने में देश की बड़ी जांच एजेंसियां विफल रही हैं। ऐसी नाकामी के कारण जांच एजेंसियों पर चुनिंदा आरोपितों के खिलाफ ही कार्रवाई करने के आरोप भी लगते रहे हैं।

पिछले दिनों कानपुर की रोटोमैक पेन कंपनी के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने 750 करोड़ रु पये से अधिक के बैंक फ्रॉड का मामला दर्ज किया। इस कंपनी पर आरोप है कि इसने कई बैंकों से ऋण लेकर नहीं लौटाए। रिपोर्ट के अनुसार, 7 बैंकों के समूह के लगभग 2919 करोड़ रुपये इस कंपनी पर बकाया हैं। गौरतलब है कि बैंक फ्रॉड का यह मामला नया नहीं है। बैंक को चूना लगाने वाली यह कंपनी जून, 2016 में ही नॉन-परफॉर्मिंग असेट्स (एनपीए) घोषित कर दी गई थी। छह साल बाद 2022 में जब सीबीआई ने इस कंपनी पर कार्रवाई शुरू की तब तक कंपनी के कर्ताधर्ता विक्रम कोठारी का निधन हो चुका था। जांच और कार्रवाई में देरी के कारण बैंकों को करोड़ों का चूना लग चुका था। देश में कोठारी जैसे अनेक लोग हैं, जो बैंक से लोन लेते हैं। यदि वो छोटे-मोटे लोन लेने वाले व्यापारी होते हैं, तो उनके खिलाफ बहुत जल्द कड़ी कार्रवाई की जाती है परंतु आम तौर पर देखा गया है कि बैंकों के धन की बड़ी चोरी करने वाले आसानी से जांच एजेंसियों के हत्थे नहीं चढ़ते। कारण बैंक अधिकारी और व्यापारी की सांठ-गांठ होता है।

ऋण लेने वाला व्यापारी बैंक के अधिकारी को मोटी रित के भार के तले दबा कर अपना काम करा लेता है, और किसी को कानों-कान खबर नहीं होती। जब ऋण और उस पर ब्याज मिला कर रकम बहुत बड़ी हो जाती है, तो तेजी से कार्रवाई करने का नाटक किया जाता है। तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। रोटोमैक कांड के आरोपियों की सूची में कानपुर का एक और समूह है, जिस पर जांच एजेंसियों की कड़ी नजर नहीं पड़ी। आरोप है कि इस समूह ने विभिन्न बैंकों के साथ सात हजार करोड़ से अधिक रुपये का घोटाला किया है। फर्जी कंपनियों का जाल बिछा कर बैंकों के साथ धोखा किया है।

इस समूह के मुख्य आरोपियों उदय देसाई और सरल वर्मा-जिनकी कंपनियां हैं एफटीए एचएसआरपी सोल्यूशन प्रा. लि. और एग्रोस इम्पेक्स इंडिया लि.-रोटोमैक कांड के सह-अभियुक्त भी हैं। इनकी गिरफ्तारी भी हुई थी। लेकिन कोविड और स्वास्थ्य कारणों के चलते इन्हें सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जमानत दी गई। गौरतलब है कि सीबीआइ, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) में इस समूह के खिलाफ 2019 के बाद से विभिन्न बैंक 8 एफआईआर लिखा चुके हैं परंतु वर्मा और देसाई बंधुओं पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उदय देसाई ने दिल्ली उच्च न्यायालय में विदेश जाने की गुहार लगा कर एक याचिका दायर की। कोर्ट ने जुलाई, 2022 के अपने आदेश में याचिका रद्द करते हुए विशेष रूप से उल्लेख किया कि विभिन्न जांच एजेंसियों में लंबित अनेक गंभीर मामलों के बावजूद आरोपियों को एक ही बार पूछताछ के लिए बुलाया गया।

जांच एजेंसियों ने सघन जांच और पूछताछ की शुरुआत ही नहीं की। सोचने वाली बात है कि हजारों करोड़ के घोटाले के आरोपियों को एक ही बार बुलाकर जांच एजेंसियों को इत्मिनान हो गया कि आरोपियों को दोबारा पूछताछ के लिए नहीं बुलाना चाहिए? क्या एक ही बार में पूछताछ से जांच एजेंसियां संतुष्ट हो गईं? आरोपी एक ही बार में एजेंसियों के 'कड़े सवालों' का संतोषजनक जवाब दे पाए? क्या जांच एजेंसियां आरोपियों से ऐसे ही केवल एक बार ही जांच और पूछताछ करती हैं? इन से कहीं छोटे मामलों में विपक्षी नेताओं या नामचीन लोगों के खिलाफ भी इन एजेंसियों का क्या यही रवैया रहता है? क्या इन आरोपियों की करोड़ों की संपत्ति को जब्त किया गया? क्या इनकी बेनामी संपत्तियों तक ये एजेंसियां पहुंच पाईं? सुशांत सिंह राजपूत की रहस्यमयी मृत्यु के बाद जिस तरह बॉलीवुड के सितारों को लगातार पूछताछ के लिए बुलाया गया था क्या वैसा कुछ इनके भी साथ हुआ? अगर नहीं तो क्यों नहीं? केंद्र में जो भी सरकार रही हो, उस पर जांच एजेंसियों के दुरु पयोग का आरोप लगता रहा है। मौजूदा सरकार पर विपक्ष द्वारा यह आरोप लगता रहा है कि वो कुछ चुनिंदा लोगों पर, अपने राजनैतिक प्रतीद्वंद्वियों या अपने विरुद्ध खबर छापने वाले मीडिया प्रतिष्ठानों के खिलाफ इन एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

जांच एजेंसियों में लंबित अन्य मामलों को छोड़ देसाई और वर्मा बंधुओं के मामले को ही लें तो यह बात सच साबित होती है। दिल्ली के 'कालचक्र समाचार ब्यूरो' के प्रबंधकीय संपादक रजनीश कपूर को जब एफटीए एचएसआरपी सोल्यूशन प्रा. लि. और एग्रोस इम्पेक्स इंडिया लि. के घोटालों से संबंधित सभी दस्तावेज मिले तो उन्होंने इन आरोपों को सही पाया। कपूर ने 6 मई, 2022 को एजेंसियों को सप्रमाण पत्र लिख कर देसाई और वर्मा द्वारा किए गए हजारों करोड़ रु पये के घोटालों की जांच की मांग की थी। ऐसे में प्रमुख जांच एजेंसियां शक के घेरे में आ जाती हैं। इन एजेंसियों पर विपक्ष द्वारा लगाए गए 'गलत इस्तेमाल' के आरोप सही लगते हैं। मामला चाहे छोटे घोटाले का हो या बड़े घोटाले का, एक ही अपराध के लिए दो मापदंड कैसे हो सकते हैं?

यदि आम आदमी या किसान बैंक को ऋण चुकाने में असमर्थ होता है, तो बैंक की शिकायत पर पुलिस या एजेंसियां कड़ी कार्रवाई करती हैं। उसकी दयनीय दशा की परवाह न करके कुर्की तक कर डालती हैं परंतु बड़े घोटालेबाजों के साथ सख्ती क्यों नहीं बरती जाती? घोटालों की जांच कर रही एजेंसियों का निष्पक्ष होना बहुत जरूरी है। एक जैसे अपराध पर, आरोपी का रुतबा देखे बिना, अगर एक समान कार्रवाई होती है, तो जनता के बीच संदेश जाता है कि जांच एजेंसियां अपना काम स्वायत्तता और निष्पक्ष रूप से कर रही हैं। सिद्धांत यह होना चाहिए कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। चाहे वो किसी भी विचारधारा या राजनैतिक दल का समर्थक क्यों न हो। कानून अपना काम कानून के दायरे में ही करेगा।

-विनीत नारायण-

पहला कदम

अशोक कुमार यादव
मुंगेली, छत्तीसगढ़

विजय के लिए लक्ष्य पर ध्यान हो,
नित्य कर्म में हो लगन खा कसम।
एक ठौर रख सोच और समझ कर,
जीवन जंग जीत का पहला कदम।।
सही दिशा में पतवार को घुमाते चल,
नदी की धारा तीव्र हो रही है प्रवाहित।
मत छोड़ पालों को हवाओं के भरोसे,
नाव डूबाने बैठा जल भंवर सन्निहित।।
पर्वत शिखर दुर्गम, अटल, विकराल,
आगे बढ़ तू फहराने जीत का झण्डा।
चढ़ेगा,गिरेगा कई-कई बार फिसलेगा,
ध्येय पाने अपना अनेक हथकण्डा।।
जीवन कुरुक्षेत्र युद्ध का खुला मैदान,
चक्रव्यूह भेदने धनुर्धारी अर्जुन बन।
रख पास सदा गीता ज्ञान दाता कृष्ण,
फिर लगा दे अपने कर्म में तन-मन।।
जंग लड़ने के लिए खुद को तैयार कर,
ध्यान से लगा एक तीर से एक निशाना।
दृढ़ संकल्पित हो वैमनस्य को कर ढेर,
जयन में शामिल होगा सारा जमाना।।

मक्कारी से हो सावधान

उदय किशोर साह
जयपुर जिला
बाँका बिहार

मत कर बिटिया तुम मनमानी
जन्मदाता की बढ़ जाती परेशानी
इश्क मोहब्बत सब है बेकार
मत भूलो अपना तुम संस्कार
बनना है तुम्हें परिवार संस्कारी
नाम बदल कर घूमता है मक्कारी
प्रेम की जादू डाल बनता चितचोर
टुकड़े में तन करना जिनका है ठौर
माता पिता तुमको है जतन से पाला
मत बन भेड़िये का तुम निवाला
भाई पति तेरा है सुरक्षा रखवाला
अधर्म से मत खेल दिल जिनका काला
अधर्म का हो रहा है यहाँ पर खेल
जाति छुपा करता है प्रेम का मेल
चल पड़ा है चलन लव जेहाद
हिन्दू बेटियाँ हो रही है बरबाद
मक्कारी है जिनका खिलौना
भेड़िये की बातों में कभी ना आना
धर्म परिवर्तन का चला है अभियान
शर्मसार हो रही है हमारा हिन्दूस्तान
मककारों से रहना सावधान
सनातन धर्म है विश्व में महान
खोटा ना कर किस्मत की जहान
मिलता रहे तुम्हें देवी का सम्मान
जागो जागो देश की सब नारी
धोखा घड़ी से बचना तुँ प्यारी
चालबाज से रहना सावधान
सर ना झुकाना देश है महान

मैं तुझे भुला ना पाउँगा

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़.

तेरी यादो के सहारे
ये जिंदगी बसर कर लेंगे
जहाँ की सारी दुश्वारियां
नजरे करम कर लेंगे
तेरी याद आने से पहले,
मैं तुझे याद आऊंगा
तुम भुला देना मुझे,
मैं तुझे भुला ना पाउँगा
हम तुम एक ना हुये
तो क्या हुआ सनम
चाहतो के भी अपने
ही होंगे नजरें करम
चाहतों के किस्से
सारे जहाँ को बताऊंगा
तुम भुला देना मुझे
मैं तुझे भुला ना पाउँगा
पत्थर के शहर में
चाहत के शीशे बेच लेंगे
सामने ना सही
अक्स हम दिल में देख लेंगे
दिल में तेरे लिए
एक छोटा सा घर बनाऊंगा
तुम भुला देना मुझे,
मैं तुझे भुला ना पाउँगा
जो मिल ना सके
हम तुम कोई बात नहीं
सवेरे उजाले भी तो
होंगे हमेशा रात नहीं
खुशियों की महफ़िल में
तुमको बुलाऊंगा
तुम भुला देना मुझे,
मैं तुझे भुला ना पाउँगा
हम वादों इरादों संग
जीवन सफर कर लेंगे
बिछूड़कर यादों संग
जीवन बसर कर लेंगे
तेरी यादों से ही
घर का हर कोना सजाऊंगा
तुम भुला देना मुझे,
मैं तुझे भुला ना पाउँगा

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

नारी शोषण,अत्याचार के विरुद्ध शिक्षा,साक्षरता के गंभीर प्रयास की आवश्यकता

संजीव ठाकुर,
चौबे कालोनी
रायपुर
छत्तीसगढ़,

भारत एक विशाल लोकतांत्रिक देश है। भारत की जनसंख्या में पुरुषों के साथ-साथ की स्त्रियों तथा बच्चों की भी जनसंख्या भी बहुत ज्यादा है। देश में स्त्री शोषण की विविधता और धार्मिक कट्टरता को देखते हुए नारियों को शिक्षित होना अत्यंत आवश्यक है, विशेष तौर पर स्त्री तथा बच्चों को बुनियादी शिक्षा तथा साक्षरता की महती आवश्यकता देश में महसूस की जा रही है। स्त्रियां अपने परिवार ,घर और समाज की देखरेख करती हैं अतः उनका शिक्षित होना बहुत ज्यादा आवश्यक भी है, बच्चे देश का भविष्य है अतः उनका शिक्षित होना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना किसी भी देश के एक सफल नागरिक को होना चाहिए। स्त्री और शिक्षित होंगी तो स्वयं और अपने परिवार को अच्छे बुरे और असामाजिक घटनाओं से सचेत रहने की शिक्षा भी दे सकती हैं जिससे एक सामाजिक परिवर्तन एवं सामाजिक आंदोलन की महत्वपूर्ण पृष्ठभूमि को तैयार किया जा सकता है।

भारत में चाहे विकास की बात हो, सार्वभौमिकता की बात हो,सत्य, अहिंसा की बात हो या बात करोना संक्रमण से बचने की हो,हमें शिक्षा एवं व्यापक साक्षरता की महती आवश्यकता हैद्य जिस तरह जल के बिना जीवन नहीं होता है,उसी तरह साक्षरता और शिक्षा के बगैर मनुष्य का जीवन निरर्थक हैद्य अशिक्षित आदमी ना तो अपने परिवार ना ही समाज के लिए उपयोगी हो सकता हैद्य इसके लिए सबसे पहले हमें स्त्रियों की शिक्षा और साक्षरता के मूल अंतर को समझना होगाद्य शिक्षा जीवन के महत्व, संकल्पना को निरूपित करती है वही साक्षरता मनुष्य के संपूर्ण जीवन को अंश मात्र से ही अपना पक्ष रखती हैद्य शिक्षा व्यक्ति के संपूर्ण जीवन पद्धति को विकसित करने का जरिया तथा महत्वपूर्ण विकल्प हैद्य जिसके अंतर्गत पढ़ना,लिखना, समझना चरित्र विकास बौद्धिक मानसिक मनोवैज्ञानिक आध्यात्मिक सभी पहलुओं में गुणात्मक विकास करने के लिए आवश्यक कारक हैद्य साक्षरता में संस्कृतिक सभ्यता तथा अन्य माननीय जीवन की कल्पना से इसका कोई संबंध नहीं रह जाता हैद्य साक्षरता सदैव रोजगार मूलक तथ्यों से जुड़ी होती है। जबकि सभ्यता संस्कृति का विकास मानवी शिक्षा से ही संभव हो पाता हैद्य शिक्षा हमें सभ्य होना सिखाती है। इसमें व्यक्ति के मनन, चेतना, सद्बुद्धि और विचारशीलता में वृद्धि करती हैद्य ऐसा भी संभव होता है कि कई वर्षों के अध्ययन से व्यक्ति सभ्य और सुसंस्कृत नहीं हो पाता है। इसीलिए विचारकों ने शिक्षा और संस्कृति को अलग-अलग पैमाने से नापा हैद्य सुसंस्कृत व्यक्ति सदैव संतुलित, शांत एवं नीति निर्णायक बन सकता है।पर कई उदाहरणों में ऐसा भी पाया गया है उच्च शिक्षित व्यक्ति उच्छृंखल हो सकता है. वर्तमान समय में उच्च शिक्षित और ज्यादा पढ़े लिखे अज्ञानियों की संख्या बहुतायत में हैद्य ऐसा ज्यादातर तकनीकी शिक्षा के मामले में देखा गया है, इसीलिए उच्च शिक्षित व्यक्ति जो सद व्यवहार नहीं करता, उन्हें केवल साक्षर मान के शिक्षित व्यक्ति ना माना जाएद्य शिक्षा और संस्कृति तथा विरासत के मूल्य का आपस में गहरा संबंध है।जबकि साक्षरता का इससे बहुत दूर-दूर तक कोई लेना देना नहीं हैद्य वैसे शिक्षा और संस्कृति के ज्ञान का प्रारंभिक गर्भावस्था से ही हो जाता है, अर्जुन पुत्र अभिमन्यु इस बात के बहुत बड़े उदाहरण हैद्य महात्मा गांधी तथा अब्राहम लिंकन ने मनुष्य के चरित्र निर्माण एवं विकास के लिए माताओं का योगदान बहुत महत्वपूर्ण बताया हैद्य

परिवार की शिक्षा के बाद विद्यालयों की शिक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसमें अनुशासन, सहभागिता, समानता एवं नेतृत्व जैसे गुणों का समावेश होता हैद्य पुस्तकों का ज्ञान व्यक्ति एवं व्यक्ति के जीवन में संज्ञानात्मक विकास को बढ़ावा देता हैद्य पर शिक्षक की भूमिका जिंदगी में बड़ी ही प्रेरणादाई होती है। यह कहा जाता कि बिना गुरु ज्ञान नहीं हो सकता है, लोकोक्ति सही भी है, शिक्षकों का मार्गदर्शन खेल खेलने से विकसित होने वाले मूल्य जैसे समूह की भावना, निष्पक्षता, ईमानदारी,साहस की भावना को परिष्कृत करती हैद्य ऐसे कई उदाहरण हैं की बिना साक्षरता के व्यक्ति पूर्ण रूप से शिक्षित एवं सुसंस्कृत हो सकता हैद्य अपने समय के महान चिंतक फिलासफर सुकरात ने कहा था कि मैं शिक्षित अथवा ज्ञानी इस अर्थ में हूं,कि मैं कुछ नहीं जानता। शिक्षा व्यक्ति के जीवन में अहंकार,लालच, हिंसा, कटुता आदि को नियंत्रित करने में मदद देती है। पुराण काल में रावण प्रकांड पंडित एवं साक्षर व्यक्ति माना जाता था पर स्त्री के अपहरण में उसका कृत्य अहंकार लालच लिप्सा उसकी साक्षरता को सार्थक नहीं कर पाई। पर आज के संदर्भ में जब आज का युग प्रतिस्पर्धा का युग है, साक्षरता ने शिक्षा की जगह वरीयता प्राप्त करना शुरू कर दिया है। यह माना जाता है जिस व्यक्ति के पास अच्छी नौकरी अच्छा पद और मोटी मोटी तनख्वाह है, उसका समाज ज्यादा ही सम्मान करने लगता है। इन्हीं कारणों से समाज मूल्य तथा संस्कृति के विकास को दरकिनार कर रोजगार मूलक साक्षरता को ही आज वरीयता देता है। और समाज उसे सिर आंखों पर बिठा के रखता है। इससे समाज के दीर्घकालिक सांस्कृतिक मूल्यों का हनन होता है, एवं क्षति भी होती है। और इस प्रक्रिया में साक्षरता पक्ष होने के कारण रोजगार साधन बन जाते हैं। एवं साधनों की परवाह न कर इसकी खुली अवहेलना हो लोग करने लगे हैं ,और इसी कारण शिक्षा के क्षेत्र में नकल, फर्जीवाड़े,धन देकर नौकरी प्राप्त करना आदि की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। साक्षर तो घोटालेबाज केतन पारेख हर्षद मेहता एवं कुख्यात आतंकवादी ओसामा बिन लादेन भी थे, किंतु इनकी शिक्षा की सार्थकता समाज द्वारा सदैव नापसंद की गई एवं समाज इन्हें हेय दृष्टि से देखने लगा है। आज के संदर्भ में ऐसी शिक्षा या साक्षरता की आवश्यकता है, जो मानव जीवन में मूल्यों का विकास एवं मूल्यों की प्रतिबद्धता विकसित कर सके। जिससे समाजिक गिरते मूल्यों तथा विरासत की अवहेलना ना हो सके। बिना मूल्यों के बिना संस्कृतिक विचारधारा के साक्षर होना ठीक उसी तरह है जैसे किसी बंदर के हाथ में बंदूक या उस्तरा देना है। हमें आज नैतिक साक्षरता देने की आवश्यकता होगी, जिससे व्यक्ति के व्यक्तित्व विकास विरासत की रक्षा तथा मानवीय संवेदनाओं का संपुट हो, जो व्यक्ति को एक अच्छा इंसान बना सकें।

जल कुक्ड़ा जलन खोरी

दूसरों के साथ जलनखोरी या ईर्ष्या रखने वाले जीवन में कभी सफलता प्राप्त नहीं करते

एडवोकेट
किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

सृष्टि रचनाकर्ता ने खूबसूरत मानवीय योनि को इस धरा पर रचनाकर अभूतपूर्व बौद्धिक क्षमता से नवाजा, ताकि 84 लाख योनियों से हटकर अपनी बुद्धि कौशलता का पूरी क्षमता से उपयोग कर, सृष्टि के सभी जीवो के कल्याण के लिए कार्य करेगा। परंतु जिस प्रकार का हम मानवीय व्यवहार देख रहे हैं यह जीव अपने ही उलझनों में उलझ गया है और रचनाकर्ता की करणी में ही हाथ डालने की कोशिश कर रहा है कि,सृष्टि की रचना कैसे हुई?मानवीय देह से ऐसा क्या निकल जाता है कि मृत्यु हो जाती है ? जैसे अनेक सवालों के साथ ही अनेकों दुर्गुणों से घिर गया है। उसमें से एक दुर्गुण जलनखोरी या ईर्ष्या का भाव रखना भी है। आज हर मानवीय जीव, हर तरह की सुख सुविधाएं, भोग चाहता है, याने जिस तरह सामने वाले में संपूर्णता है वैसी ही भी वह खुद चाहता है, और ना होने पर जलनखोरी ईर्ष्या का भाव पैदा होता है जो मनुष्य की असफलता और बर्बादी के अंजाम तक पहुंचा देता है इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कि दूसरों के साथ जलनखोरी, ईर्ष्या करने वाले मनुष्य जीवन में कभी सफल नहीं होते।

साथियों बात अगर हम ईर्ष्या या जलनखोरी की करें तो ऐसा करने वालों को हम जलकुकड़ा भी कहते हैं। ईर्ष् या एक भाव है जो किसी के पास कुछ ऐसी चीज होने की वजह से आ सकती है, जो हम पाना चाहते थे या अगर किसी के पास कोई चीज हमसे ज्यादा है।अगर हम में किसी तरह की अपूर्णता है, जिसकी वजह से दूसरों के सामने हम अच्छा महसूस नहीं कर पाते हों, तो इससे भी कई बार ईर्ष् या पैदा हो जाती है। ईर्ष् या में मुखे य रूप से एक अपूर्णता का भाव छिपा होता है। यदि हम आनंद के भाव से पूरी तरह भरे हों, तो हमारे भीतर किसी के भी प्रति ईर्ष् या का भाव नहीं होगा। जैसे ही हमको ये लगता है कि हमारे बगल में बैठे आदमी के पास हमसे कुछ ज्यादा है और हम उससे खुद को कम महसूस करने लगते हैं तो ईर्ष् या का भाव पैदा होता है। अगर यहां हमसे बेहतर कोई दूसरा व्यक्ति मौजूद है तो ईर्ष् या पैदा हो सकती है। यदिहमें खुद में मस्त हैं तो ईर्ष् या का कोई प्रश्न ही नहीं है।

साथियों हमारे अंदर जो जलन और ईर्ष्या होती है तो उसके पीछे कोई न कोई वजह जरूर होती है, और इस वजह को समझने के लिए जरूरी है कुछ देर खुद अपने साथ बैठना और अपने आप से इस बारे में पूछना। उससे भी ज़्यादा जरूरी है खुद को पहचानना। जरूरी नहीं है कि हमको अपनी इस भावना के बारे में पता लगे। इसको महसूस करना बहुत जरूरी है। जब तक हम इस सच्चाई को स्वीकार नहीं करेंगे, आगे नहीं बढ़ पाएंगे, इसलिए ज़रूरी है सच्चाई को स्वीकार करके आगे बढ़ें। ईर्ष्या की ये भावना सिर्फ प्रतियोगी के साथ ही नहीं, बल्कि किसी भी रिश्ते में आ सकती है। जैसे हमारे भाई-बहन, दोस्त, रिश्तेदार, आपके पार्टनर, पैरेंट्स और यहां तक कि हमारे अपने बच्चे भी हो सकते हैं। इस भावना के चलते हम कई बार सामने वाले को इतना हर्ट कर देते हैं जो उनके लिए बहुत तकलीफदेह होता है। और मजेदार बात यह कि इसका हमें पता ही नहीं चलता।

साथियों जलनखोरी एक सोच या भाव है, जो आमतौर पर भय, चिंता असुरक्षा और ईर्ष्या के विचारों या भावनाओं से जुड़ा होता है। जिनके पास संपत्ति, पद या सम्मान आदि की कमी होती है, उनमें इस तरह की भावनाएँ या सोच जन्म लेने लगती है। ये विशेष रूप से किसी दुश्मन या प्रतिभागी हेतु होती है। इस तरह की भावनाएं या सोच सामान्यतः एक या एक से अधिक भावों से मिल कर बने होते हैं, जिसमें क्रोध, घृणा आदि भावनाओं का मिश्रण होता है। जलन का वास्तविक अर्थ ईर्ष्या से भिन्न है, लेकिन आमतौर पर इन दोनों शब्दों को एक ही समझा जाता है।

साथियों बात अगर हम जलनखोरी ईर्ष्या के परिणामों की करें तो इसमें शत्रु भाव पैदा होता है। हम अपने दोस्तों पड़ोसियों साथियों की सफलता उनके बच्चों की गुणवत्ता से मन में भाव उत्पन्न होता है कि हमारे साथ ऊपर वाले ने ऐसा क्यों नहीं किया,? यहां से शुरू होती है हमारी दुर्गति बर्बादी की कथा जो हम हर तरह के दुर्गुणों से घिरते चले जाते हैं और हमें पता तब चलता है जब हम अपना सबकुछ पाया हुआ भी खो देते हैं। इसलिए हमें चाहिए कि अपनी मौज में मस्त रहें किसी की सफलताओं से हम खुश होकर उन्हें बधाईयां देना चाहिए और खुद भी अपने लिए मेहनत करने का भाव लाना चाहिए कि हम भी ऐसी मेहनत कर आगे बढ़े। ईर्ष्या एक ऐसा शब्द है जो मानव के खुद के जीवन को तो तहस-नहस करता है औरों के जीवन में भी खलबली मचाता है। यदि हम किसी को सुख या खुशी नहीं दे सकते तो कम से कम दूसरों के सुख और खुशी देखकर जलें नहीं। यदि हमको खुश नहीं होना है, न सही मत होइए खुश, किन्तु किसी की खुशियों को देखकर हम अपने आपको ईर्ष्या की आग में ना जलाएं। परंतु अफ़सोस की बात है आज के समाज की कि लोग किसी के दुःख को देखकर तो बहुत दुखी होते हैं सहानुभूति जताते हैं लेकिन किसी की खुशी को देखकर खुश नहीं होते। किसी की उन्नति से किसी के गुणों से जलते हैं और दुखी होते हैं और पुरा प्रयास करते हैं कि सामने वाले का बुरा हो। हम सभी को इससे बचना चाहिए।

साथियों बात अगर हम जलनखोरी या ईर्ष्या को समझने की करें तो, ईर्ष्या हमारा स्वभाव नहीं है। किसी चीज को छोड़ने से आजादी नहीं मिलेगी, क्योंकि छोड़ने के लिए है ही क्या? इस समय, हमारे भीतर कोई ईर्ष्या नहीं है।यह हमारे स्वभाव का अंग नहीं है। हम इसे समय-समय पर पैदा करते हैं।अगर हम अपने इसे इसलिए पैदा किया होता कि हम ऐसाकरना चाहते थे, तो यह हमारे लिए आनंददायक होता। अगर हमको गुस्से, जलन और नफरत से खुशी होती है तो उसे पैदा कीजिए। पर ऐसा नहीं है, वे हमारे लिए ख़ुशी देने वाले अनुभव नहीं हैं। तो हमने उन्हें क्यों रचा है? हमने उन्हें रचा है क्योंकि हमारे भीतर जरुरी जागरूकता की कमी है। हमको नहीं लगता कि हमें हमारी ईर्ष्या जलाती है? बाद में सामने वाले का नुकसान होता है? क्यूंकि ईर्ष्या करते वक़्त हमारे दिमाग के स्नायु सिकुड़ते हैं जिसका प्रभाव हमारे अंतर्मन पर पड़ता है और इसका प्रभाव हमारी दिनचर्या पर पड़ता है। हम चिड़चिड़े हो जाते हैं और घर के लोगों के साथ हमारा व्यवहार गलत ढंग का हो जाता है, तब घर का वातावरण कलहपूर्ण हो जाता है और हमारा स्वाभाव झगड़ालू हो जाता है और हमें जानते ही हैं कि झगड़ालू लोग किसी को अच्छे नहीं लगते।

साथियों इस ईर्ष्या के जो मूलभूत कारण हैं, उसमें सबसे पहला कारण है अहमन्यता-अपने आप को बड़ा मानने की प्रवृत्ति; दूसरा कारण है असहिष्णुता- दूसरों की बातों को न सह पाने की स्थिति; तीसरी बात है अनुदारता- हमारा मन उदार न रहे, किसी के प्रति उदारता का न होना, संकीर्ण होना; और चौथी बात है ओछी मानसिकता। कैसे ईर्ष्या से छुटकारा पाएँ इसके उपाय हैं, ईर्ष्या को समझना, ईर्ष्या को सकारात्मकता में बदलनातुलना से बचिएकृतज्ञता महसूस करना, दृष्टिकोण को फिर से बैठाना। जब-जब हमारे मन में किसी के लिए ईर्ष्या का भाव जागृत हो तब-तब अपने विचारों की दिशा को सकारात्मक सोच की और मोड़ दीजिए जब विचारों की दिशा ही बदल जाएगी तब अपने आप नकारात्मकता हमसे दूर होते जाएगी और जब मन में अच्छी बातें आती है तब हमें वो बातें सुकून ही देती है न की ग्लानि या जलन।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,जलकुक्ड़ा-दूसरों के साथ जलन और ईर्ष्या रखने वाले जीवन में कभी सफलता प्राप्त नहीं करते। ईर्ष्या में मुख्य रूप से एक अपूर्णता का भाव छिपा होता है- हम दूसरों से तुलनात्मक भाव छोड़कर खुद में मस्त रहें तो ईर्ष्या नहीं होगी।

सट्टेबाजी एप:सिंडिकेट का खात्मा कैसे हो

देश में सरकारी व्यवस्थाओं की नाक के नीचे सट्टे का एक ऑनलाइन कारोबार चल रहा है, जिससे हर साल सरकारी खजाने को 3.50 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।

देश के रेल, शिक्षा, और स्वास्थ बजट को जोड़ लें, तो भी ये 3.50 लाख करोड़ रु पये से कम बैठता है, और इतने की टैक्स चोरी रोकने के लिए अभी तक सरकार ने कोई भी कदम नहीं उठाया है।

दरअसल, सरकार को जानकारी ही नहीं है कि ये टैक्स चोरी कहां हो रही है, साथ ही सरकारी तंत्र को इसकी कानोकान खबर तक नहीं है। ऐसे कई ऑनलाइन गेम्स हैं, जिसमें आप अपनी पसंदीदा टीमें बनाते हैं। मैच में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर आपको प्वॉइंट्स अथवा अंक दिए जाते हैं, और इसी प्वॉइंट्स के आधार पर आप जीतते या हारते हैं, लेकिन देश में ऑनलाइन गेम्स अथवा खेलों के नाम पर सट्टा खिलवाने वाली विदेशी कंपनियां चोरी-छिपे घुस चुकी हैं, और खेल में सट्टेबाजी करवाने वाली विदेशी कंपनियां वेबसाइट और सोशल मीडिया पर विज्ञापन देकर लोगों से ये बता रही हैं कि खेल में सट्टेबाजी वैध है अथवा लीगल है, और ये गेम ऑफ स्किल है, जबकि हमारे देश में सट्टा खेलना और खिलवाना गैरकानूनी है, इसके बावजूद सरकार को इस तरह की सट्टेबाजी के बारे में खबर तक नहीं है।

देश में कोई भी खेल वैध है या अवैध है, ये दो पैमानों पर तय किया जाता है। पहला है, गेम ऑफ स्किल यानी कि ऐसा खेल जिसमें आपका टैलेंट दिखता हो। दूसरा पैमाना है गेम ऑफ चांस यानी कि ऐसा खेल जिसमें आपका टैलेंट नहीं बल्कि आपकी किस्मत खेलती है। गेम ऑफ स्किल को देश में वैध माना जाता है, और गेम ऑफ चांस को देश में अवैध माना गया है। यानी कि जिस खेल में आपको मेहनत करनी पड़ती है वो खेल वैध है, अब चाहें उसमें आपने दिमाग लगाया हो या फिर शारीरिक मेहनत की हो। ठीक इसी तरह से हर वो खेल अवैध है, जिसमें आपने कुछ नहीं किया बस आपकी किस्मत पर आपकी जीत या हार तय होती है।

मोबाइल फोन में हम कई तरह के ऑनलाइन गेम्स खेलते हैं, इन गेम्स को देश में 'गेम ऑफ स्किल' के तौर पर जाना जाता है। इस तरीके से ये वैध हैं। उदाहरण के तौर पर अगर हम वैध ऑनलाइन गेम्स ऐप में क्रिकेट को ही ले लें, तो इनमें किसी भी मैच से पहले आप मोबाइल गेम में अपनी एक टीम बनाते हैं, उस टीम में आप जो खिलाड़ी चुनते हैं, उसका सारा रिकॉर्ड आपको मालूम होता है। आपको पता होता है कि वो खिलाड़ी फॉर्म में है या नहीं और इस जानकारी को आपका टैलेंट माना जाता है, और मैच में उतरने से पहले आप मोबाइल गेम के वॉलेट में कुछ रुपये डालते हैं। इन रु पयों की मदद से आप मोबाइल गेम खेलते हैं, अब अगर आपका चुना हुआ खिलाड़ी अच्छा परफॉर्म करता है, या आपकी बनाई टीम जीत जाती है तो इस आधार पर आपको प्वॉइंट्स मिलते हैं और फिर इन प्वॉइंट्स के आधार पर आपकी जीत या हार तय होती है, जिसमें आपको रैंकिंग के आधार पर रुपये मिलते हैं। इस फॉर्मेट अथवा प्रारूप को वैध माना गया है, लेकिन देश में कुछ ऐसी विदेशी कंपनियों का जाल फैला हुआ है, जो मोबाइल एप्लीकेशन के बहाने ऑनलाइन गेम्स खेलने वालों को सट्टेबाजी करवा रही हैं, जिनमें बेट ऑन क्रिकेट, यूनीबेट, बेटवे जैसी 24 विदेशी कंपनियां हैं। सट्टेबाजी करवाने वाली कंपनियां यूजर्स को ऑनलाइन गेम्स के जरिये फंसाती हैं, फिर उन्हें सट्टेबाजी की तरफ लेकर जाती हैं और ये अपने आप में बहुत गंभीर विषय है। खेलों में सट्टेबाजी करवाने वाली इन विदेशी कंपनियों का प्रचार-प्रसार इंटरनेट स्मार्टफोन और सरकारी तंत्र की दूरदर्शिता की कमी की वजह से तेजी से बढ़ रहा है। इस तरह के खेल में आप की स्किल, टैलेंट या मेहनत नहीं लगती है, बस आपकी किस्मत होती है, आप बस चांस लेते हैं और अगर चांस सही साबित हुआ तो जीत होती है नहीं तो आप हार जाते हैं। इस तरह खेल खिलवाने वाले ऑनलाइन गेम्स को सरकार गेम ऑफ चांस मानती हैं, और यही वजह है कि ये देश में अवैध है। जितनी भी भारतीय कंपनियां आपको ऑनलाइन गेम्स खिलवाती हैं, वो अपनी कमाई में से सरकार को कम से कम 18 फीसद जीएसटी देती हैं।

ये टैक्स भारत सरकार के खाते में जाता है, लेकिन जो विदेशी ऑनलाइन गेम्स के नाम पर सट्टा खिलवा रही हैं, वो किसी भी प्रकार का टैक्स सरकार को नहीं देती हैं, और ऐसी ज्यादातर कंपनियां उन देशों से ऑपरेट होती हैं, जिन्हें 'टैक्स हेवन' कहा जाता है जिसमें माल्टा, एवं साइप्रस जैसे देश प्रमुख हैं। सट्टा खिलवाने वाली कंपनियों को ये मालूम है कि भारत में सट्टेबाजी अवैध है, उनको ये भी मालूम है कि भारतीय कंपनियों के ऑनलाइन गेम्स में जीत की रकम से 30 फीसद तक टैक्स कट्ता है, और ये टैक्स जीतने वाले खिलाड़ी को ही देना होता है। ऐसे में सट्टा खिलवाने वाली ऑनलाइन गेम कंपनियां खिलाड़ियों को टैक्स न देने का लालच भी देती हैं और वो ये भी कहती हैं कि उनके ऐप पर गेम खेलने में फायदा ये है कि जीत की रकम से टैक्स नहीं देना पड़ता। इस लालच की वजह से देश के खजाने को और कुछ समय बाद आपको भी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

-ऋषभ मिश्रा-

आईजी ने सूरजपुर जिले का किया दौरा,पुलिस अधिकारियों की ली वर्चुअल बैठक

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नव पदस्थ पुलिस महानिरीक्षक सरगुजा रेंज, राम गोपाल गर्ग द्वारा जिला सूरजपुर का प्रथम भ्रमण किया गया। आईजी सरगुजा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभाकक्ष में रामकृष्ण साहू की मौजूदगी में जिले के सभी थाना-चौकी प्रभारियों की वर्चुअल बैठक ली। बैठक में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने आईजी सरगुजा को जिले की सामान्य जानकारी से अवगत कराया। बैठक के उपरान्त आईजी सरगुजा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रक्षित केन्द्र , थाना सूरजपुर व थाना विश्रामपुर का भी औचक निरीक्षण किया। वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से आईजी राम गोपाल गर्ग ने थाना-चौकी प्रभारियों का परिचय लेते हुए थाना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, थाना-चौकी में तैनात बल, लंबित मामलों की जानकारी लेते हुए उसे समयावधि में निराकृत करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान आईजी सरगुजा ने निर्देशित किया कि आमजनता में पुलिस की छवि को और बेहतर बनाने पर जोर देते हुए कहा कि किसी भी घटना-दुर्घटना अथवा अपराध की सूचना लेकर कोई फरियादी/आवेदक थाना आता है तो उसकी तत्काल सुनवाई की जाए, चाहे मामला किसी दूसरे क्षेत्र का ही क्यों न हो, विधि के अनुसार अपराध की सूचना पर शून्य में मामला पंजीबद्ध कर संबंधित थाने को विवेचना के लिए भेजी जाए, इससे आमजनता और पुलिस के बीच मधुर संबंध स्थापित होगा। पुलिस महानिरीक्षक द्वारा कहा गया कि अवैध गतिविधियों में संलिप्त लोगों के विरूद्व सख्त कार्यवाही करने के कड़े निर्देश दिए गए। अपराध एवं अपराधियों को रोकने एवं बेसिक पुलिसिंग को और सशक्त और मजबूत करने, लंबित मामलों सहित चिटफण्ड के मामलों का जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। चिटफण्ड के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी में सक्रिय होकर कार्य करे, चोरी-नकबजनी के मामले

में गंभीरतापूर्वक आरोपियों की पतासाजी कर गिरफ्तारी एवं शत् प्रतिशत माल बरामद करने, महिला सुरक्षा, सामुदायिक पुलिसिंग एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता तथा सड़क दुर्घटना पर रोक लगाने के लिए जरूरी कदम उठाते हुए शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। साइबर अपराध के प्रति लोगों को जागरूक करें साथ ही साइबर अपराध के मामले प्रकाश में आने पर त्वरित मामला पंजीबद्ध करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि अपराधियों में पुलिस का भय होना और दिखना चाहिए, अपने पद का दायित्वों का निर्वहन में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी चाहिए। जिला सूरजपुर भ्रमण के दौरान डीएसपी मुख्यालय नंदिनी ठाकुर, एसडीओपी सूरजपुर प्रकाश सोनी, एसडीओपी ओडग़ी राजेश जोशी, एसडीओपी प्रतापपुर अमोलक सिंह सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण मौजूद रहे।

बीट प्रणाली होगी मजबूत

आईजी सरगुजा ने बैठक में कहा कि पुलिस का कार्य अपराधों पर अंकुश लगाना है और यह तभी सम्भव है, जब हम जाबाजी और इमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए हममें से हर एक को अपने क्षेत्र में मेहनत और संवेदनशीलता से कार्य करना होगा। जिले में पुलिस की बीट प्रणाली को मजबूत करने के साथ ही सूचना तंत्र को भी प्रभावी बनाने को लेकर निर्देश दिया। बीट प्रणाली को मजबूत बनाए के लिए हर थाने का बीट अधिकारी व जवान अपनी बीट में जाकर लोगों से जनसम्पर्क करेगा और लोगों से उनकी समस्या से अवगत होगा और ग्राम की प्रत्येक गतिविधियों के बारे में जानकारी लेगा, साथ ही त्वरित सूचना आदान-प्रदान के लिए बीट क्षेत्र के ग्रामीणों और पुलिस अधिकारी व जवानों का वाट्सएप ग्रुप बनाने का निर्देश दिया।

इस बड़े टूर्नामेंट में मनोरंजन के साथ खेल को और बेहतर करने का मिलता है मौका:सिंहदेव

» कला केंद्र में चल रहे क्रिकेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट में हर रोज दिख रहा रोमांच

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

नगर के कला केंद्र मैदान में इन दिनों ऑल इंडिया टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता मां महामाया कप 2022 सीजन फोर का रोमांच देखने को मिल रहा है। सुबह नौ बजे से लेकर शाम तक देश के अलग-अलग शहरों की टीमों के बीच हार-जीत का रोचक संघर्ष देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में दर्शक मैच देखने पहुंच रहे हैं। बुधवार को स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव भी मैदान पहुंचे थे। उन्होंने इस दौरान कहा कि इस बड़े टूर्नामेंट में जहां 32 टीमों ने हिस्सा लिया है वहीं कई नेशनल लेवल के खिलाड़ी भी इस टूर्नामेंट में पहुंचे हैं। बाहर की अच्छी टीमों को देखकर खेल को सुधारने का मौका मिलता है, यही नहीं नगर वासियों के मनोरंजन के साथ-साथ यहां के खिलाड़ी बाहर के बड़े खिलाडियों को देखकर खेल को और बेहतर करने का प्रयास कर सकते हैं। इस दौरान जिपं उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव, श्रम कल्याण बोर्ड अध्यक्ष व ननि के लोक निर्माण प्रभारी शफी अहमद, द्वितेन्द्र मिश्रा, मोहम्मद इस्लाम सहित अन्य मौजूद थे।

छठवीं राष्ट्रीय सीनियर रॉकबॉल चैम्पियनशिप प्रतियोगिता का आगाज

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

छठवीं सीनियर नेशनल रॉक बॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता का आयोजन शहर के गांधी स्टेडियम में किया गया है। प्रतियोगिता 22 से 24 नवंबर तक चलेगी। नेशनल प्रतियोगिता में 17 राज्यों के महिला व पुरूष टीम भाग लिया है। प्रतियोगिता का उद्घाटन 22 नवंबर को स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंह देव मुख्य अतिथि में किया गया। इस दौरान जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह देव, रॉक बॉल फेडरेशन के उपाध्यक्ष राजेंद्र गांधी, चेयरमैन प्रवीण परिया, भूपेंद्र सागवान, जनरल सेक्रेटरी ख्वाजा अहमद, शफी अहमद श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष उपस्थित थे। इस दौरान खिलाडियों ने मार्च फास्ट किया गया। इस दौरान छत्तीसगढ़ में आए पूर्व ओलंपिक एवं अर्जुन अवार्ड द्रोणाचार्य अवार्ड से सम्मानित ज्ञान सिंह का टीएस सिंहदेव द्वारा सम्मान किया गया। महिला वर्ग के लिए इस प्रतियोगिता का पहला मैच छत्तीसगढ़ बनाम ओड़िशा का हुआ। जिसमें छत्तीसगढ़ विजेता रही। दूसरा मैच हरियाणा और राजस्थान के बीच खेला गया, जिसमें हरियाणा की टीम विजय रही। तीसरा मैच हरियाणा और चंडीगढ़ के मध्य खेला गया, जिसमें हरियाणा की टीम ने जीत दर्ज किया। चौथा मैच राजस्थान और चंडीगढ़ के बीच खेला गया,

जिसमें राजस्थान विजेता रही। जबकि पांचवा मैच पंजाब और ओड़िशा के बीच खेला गया। जिसमें पंचाब की टीम विजयी रही।

पुरुष वर्ग में पहला मैच छत्तीसगढ़ का खेला गया जिसमें छत्तीसगढ़ विजेता रही, दूसरा मैच हरियाणा और राजस्थान के बीच खेला गया, जिसमें हरियाणा विजयी रही। तीसरा मैच पंजाब और ओड़िशा के बीच खेला गया, जिसमें पंजाब विजय रही। चौथा मैच राजस्थान और चंडीगढ़ का खेला गया, जिसमें राजस्थान विजयी रही। पांचवां मैच हरियाणा और चंडीगढ़ का हुआ जिसमें हरियाणा विजयी रही। छत्तीसगढ़ एसोसिएशन के सेक्रेटरी ओपी सिंह, उपाध्यक्ष सुदामा प्रसाद, ज्वाइंट सेक्रेट्री प्रदीप मित्रा, मेंबर गोपाल राव एवं मुनीर सेवा सिंह अंबिकापुर बॉस्केटबॉल एसोसिएशन के सचिव राजेश प्रताप सिंह, सौरभ पांडे, विनय साहू का सहयोग सराहनीय है।

स्वास्थ्य विभाग की अंतिम चयन सूची प्रकाशित

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के अधीनस्थ स्वास्थ्य संस्थाओं में ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता की पदोन्नति परिचारिका (स्टॉफ नर्स) के पद पर की जानी है। विगत 1 सितंबर 2022 की स्थिति में वरिष्ठता सह योग्यता के आधार पर अंतिम वरिष्ठता सूची बनाई गई है। इस सूची का अंतिम प्रकाशन कर दिया गया है। जिसका अवलोकन कार्यालय के सूचना पटल एवं विभागीय वेबसाइट www.surguja. gov. in पद पर किया जा सकता है।

विचाराधीन बंदी के मृत्यु की दाण्डिक जांच हेतु जांच अधिकारी नियुक्त

– संवाददाता –
अम्बिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री कुंदन कुमार द्वारा संशोधित आदेश जारी बंदी के मृत्यु की दाण्डिक जांच हेतु डिप्टी कलेक्टर श्री बीआर खाण्डे को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बंदी बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के थाना सामरीपाट के ग्राम कुटकू निवासी कपिल सिंह पिता रामचरित्र यादव की मृत्यु 13 नवंबर 2022 को हो गई थी। उन्होंने जांच अधिकारी को निर्देशित किया है कि बंदी की जेल प्रवेश के समय स्वास्थ्य की क्या स्थिति थी, बंदी कब बीमार हुआ तथा उसे ईलाज हेतु जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर कब भेजा गया, क्या बंदी अचानक बीमार हुआ और उसकी मृत्यु हो गई। उपचार के समय उन्हें कौन-कौन सी औषधियां दी गई। बंदी के उपचार के समय यदि कोई लापरवाही बरती गई है तो लापरवाही के लिए दोषी अधिकारी अथवा कर्मचारी कौन-कौन हैं ? बंदी के साथ कोई अमानुषिक कृत्य तो नहीं किया गया है जिससे बंदी की मृत्यु हुई हो। क्या बंदी को शारीरिक या मानसिक यातना दी गई है ? यदि ऐसा हुआ हो तो दोषी अधिकारी या कर्मचारी कौन-कौन हैं ? उपरोक्त बिंदुओं के संबंध में एक माह में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

प्रेरित होकर दो अभिन्न मित्रों ने मेडिकल कॉलेज के लिए की शरीर दान देने की घोषणा

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

देहदान के प्रति लोगों में जागरुकता बढ़ रही है। पिछले कुछ दिन पूर्व अंबिकापुर निवासी स्व. विजय पटेल के मौत के बाद परिजन ने उनका देहदान मेडिकल कॉलेज को किया था। हालांकि विजय पटेल ने अपने शरीर दान देने की घोषणा पूर्व में ही कर दी थी। मौत के बाद उनके परिजन ने उनकी अंतिम इच्छा को पूरा किया था। इससे प्रेरित होकर इनके दो मित्रों ने भी शरीर दान दने की घोषण बुधवार को मेडिकल कॉलज में की है।

शहर के ब्रह्मरोड निवासी रमेश अग्रवाल उम्र 69 सूरजपुर जिले के भैयाथान देवीगंज रोड निवासी भंवर सिंह दोनों दोस्त हैं। बुधवार को दोनों मेडिकल कॉलेज अंबिकापुरर में उपस्थित होकर अपना शरीर दान देने की घोषणा अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति के समक्ष की है। इस दौरान डॉ. अभय सिंह यादव जूनियर रेसीडेंट, मेडिकल कालेज अम्बिकापुर भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अधिष्ठाता द्वारा रमेश अग्रवाल को दान के इस सर्वोच्च स्वरूप का निर्णय करने के स्तुत्य प्रयास हेतु आभार एवं साधुवाद दिया। रमेश अग्रवाल व भंवर सिंह ने बताया कि ये उनका निर्णय परिवार को ज्ञात है तथा वे शीघ्र ही आवेदन पत्र जमा कर देंगे। ये दोनों अभिन्न मित्र हैं और कुछ दिन पूर्व देहदान किए स्व. विजय पटेल के भी मित्र रहे हैं। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. रमणेश मूर्ति ने बताया कि देह दान के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ी है। संपूर्ण शरीर दान एक महान एवं स्तुत्य कार्य है। शरीर रचना मेडिकल छात्रों के पठन-पाठन हेतु अत्यंत आवश्यक प्रक्रिया है। शरीर को एमबामिंग प्रक्रिया द्वारा सुरक्षित व संरक्षित रखा जाता है। प्रथम एमबीबीएस में शरीर रचना विभाग में शरीर संरक्षित कर छात्रों को शरीर संरचना की बारीकियों, पढ़ाई एवं विस्तृत शव विच्छेदन द्वारा सिखाई जाती है।

नर्सिंग के छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मरीज व परिजनों को दी कई आवश्यक जानकारी

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में बुधवार को शासकीय जीएनएम नर्सिंग के छात्राओं द्वारा साफ-सफाई, खान-पान व जीवन सौली के तरिके नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बताया गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में शासकीय जीएनएम नर्सिंग छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक, गाने एवं डांस के माध्यम से अस्पताल परिसर की साफ-सफाई, अपने आसपास की साफ-सफाई एवं सफाई क्यों जरूरी है, हाथ धोना, हाथ धोना क्यों जरूरी है, हाथ कैसे धोना चाहिए एवं स्वस्थ जीवन, योगा करने, विभिन्न पौष्टिक भोजन के बारे में मरीज एव मरीज के परिजनों को बताया गया। इस दौरान छात्राओं ने

मरीज एवं परिजन को नुक्कड़ नाटक के बाध्यम से बहुत ही असानी से समझाया। कार्यक्रम के दौरान अस्पताल अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने छात्राओं द्वारा इस नाटक के माध्यम से लोगों को जानकारी देने की सराहना की। कार्यक्रम के दौरान सहायक अस्पताल अधीक्षक डॉ, अर्पण सिंह चौहान, डॉ. विकास पांडेय, अस्पताल सलाहकार प्रियंका कुरील, नर्सिंग अधीक्षिका दूरपतिराज, सुमन सिंह, रत्नेश, छोटेलाल शर्मा उपस्थिति थे।

दादी मंदिर का निकला शोभा-यात्रा

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

दादी रानी सती मंदिर सत्ती पारा अम्बिकापुर का तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव दादी धाम मंदिर में धूम-धाम से मनाया जा रहा है , कल दादी मां की भव्य शोभायात्रा नगर निमंत्रण हेतु शहर के कई मार्गो से होते हुए मंदिर प्रवेश की शोभायात्रा में झांकियां एवं घूमर नृत्य आकर्षक का केंद्र बना रहा , जिसमें बड़ी संख्या में शहर के भक्तगण एवं महिलाएं शामिल रहकर माता के भजनों के साथ थिरकते नजर आए एवं सभी दादी भक्त अपने-अपने घरों से पुष्पों की वर्षा कर यात्रा का स्वागत कर रहे थे। शोभा-यात्रा उपरांत मंदिर में सभी को प्रसाद वितरण किया गया उसके तत्काल बाद पंडाल में कांच की सवा मन चूड़ियों से दादी का अभिषेक कतार बध से भारी भीड़ के बीच महिलाओं ने अपने सुहाग अमर रहे एवं सुख शांति हेतु दादी को चूड़ी पहना कर अभिषेक किया , आज बुधवार को दोपहर 1:00 से कोलकाता से आए प्रसिद्ध गायक कुंवर तेजस राणा एवं कुंवर कृष्ण यदुवंशी द्वारा महा मंगल पाठ का कार्यक्रम किया जा रहा है जिसमें हजारों महिलाएं बैठकर भाग ले रही हैं , गायक की सुरीली आवाज से महिलाएं मंत्र-मुग्ध होकर श्रवण कर रही है।

कल 24 नवंबर दिन गुरुवार को 11:00 बजे से व्यास जी के द्वारा दादी का ब्याख्यान कथा का कार्यक्रम है मंडली की अध्यक्ष राजरानी अग्रवाल ने बताया कि प्रत्येक जगह मंदिर या उत्सव में जेंट्स ही प्रधान होते हैं पर हमारे दादी मंदिर को महिलाओं द्वारा ही चलाया जा रहा है एवं सभी कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं जिसमें हमारी मंडली की बहनें आगे से आगे बढ़कर मिल-जुल कर सभी कार्यक्रम को संपन्न कराती हैं महिला मंडली के सदस्यों ने सभी भक्तों से निवेदन किया है कि कार्यक्रमों में शामिल रहकर एवं चूड़ियों का प्रसाद लेने हेतु जरूर आए और दादी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

एनएसयूआई ने वाल पेंटिंग करवा के सरकार की योजना को जन जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

एनएसयूआई सरगुजा के प्रदेश महासचिव हिमांशु जायसवाल ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार के विभिन्न जनहितैषी छात्रहितैषी योजनाओं को वाल पेंटिंग के माध्यम से करवा कर जनजन में पहुंचने का एक प्रयास किया जा रहा है हिमांशु जायसवाल ने बताया कि प्रदेश सरकार 36 वादों के साथ सत्ता में आई थी जिसमे से लगभग सभी वादों को पूरा किया जा रहा है और जो बचे है उसको भी पूरा करने के लिए प्रयास कर रही है बहोत सारी योजनाओं को अभी जनता पूरी तरह से जान सके और योजना का लाभ ले सके इसके लिए एनएसयूआई ने इसके लिए सारी योजनाओं को जनता के बीच ले जाने के लिए हमलोग बाध्य है ताकि हम सभी को लाभ दिलवा सके प्रथम चरण में वाल पेंटिंग के बाद योजनाओं का पोस्टर पैंपलेट के माध्यम से लोगो को पहुचनाएंगे और उनको लाभ दिलवाया जायेगा इस सरकार की योजना को जन जन तक पहुंचने पूर्व विधानसभा अंबिकापुर अध्यक्ष आशीष जायसवाल पूर्व जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता,धीरज गुप्ता, गौतम ,अभिषेक , अभिषेक सोनी, ऋषभ, अंकित जायसवाल, सौरभ तिवारी, आदि कर्याक्रता सक्रिय रूप से कार्य करेंगे

छात्र संघ गठन की घोषणा

– संवाददाता –
अंबिकापुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय अम्बिकापुर में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के निर्देष पत्र क्रमांक 45/शैक्ष.-1/2022/6021 रायपुर, दिनांक 14/11/2022 के परिपालन में दिनांक 21/11/2022 को मेरिट सूची प्रकाशित किया गया। दिनांक 22/11/2022 को दोपहर तक मेरिट सूची से संबंधित कोई भी दावाआपति प्राप्त नही हुई अतः सायं 05 बजे मेरिट की अंतिम सूची प्रकाशित की गई। इसके उपरान्त दिनांक 23/11/2022 को डा. आर.बी.तिवारी अधिष्ठाता राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय अम्बिकापुर की अध्यक्षता में एवं डा. एस. के. सिन्हा, चुनाव अधिकारी के मार्गदर्शन में छात्रसंघ गठन समिति की अनुशंसा से महाविद्यालय मे छात्रसंघ 2022-23 का गठन किया गया, जिसमें एम.एस.सी (कृषि) अंतिम वर्ष की कु. बट्टा गंगा भवानी को अध्यक्ष, बी.एस.सी (कृषि) चतुर्थ वर्ष में कु. अवन्या सिंह को उपाध्यक्ष, एम.एस.सी (कृषि) प्रथम वर्ष में कु. अपराजिता शुक्ला को सचिव एवं बी.एस.सी (कृषि) तृतीय में कु. रश्मि अगरवाला को संयुक्त सचिव के पद पर मनोनित किया गया है। साथ ही साथ प्रत्येक कक्षा के लिए कक्षा प्रतिनिधि का भी मनोनयन किया गया, जिसमे बी.एस.सी. (कृषि) के प्रथम वर्ष में कु. हर्षिता चन्द्राकर, द्वितीय वर्ष में कु. भाबना मोहन्ती, तृतीय वर्ष में कु. आंचल कवंर, चतुर्थ वर्ष में कु. रिया सोनी एवं एम.एस.सी. (कृषि) के प्रथम वर्ष में कु. दिव्या सिंह एवं द्वितीय वर्ष में कु. मधुछन्दा मिश्रा को कक्षा प्रतिनिधि मनोनित किया गया है।

क्या पुलिस के नजर में हत्या,चोरी,डकैती,मारपीट ही है केवल अपराध, अवैध कारोबार करना या कराना क्या पुलिस की नजर में नहीं है अपराध ?

- क्या जिलेवासियों की जगह तस्करों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन कर रहा काम ?
- रेत जिलेवासियों तक न पहुँचे प्रशासन हुआ सख्त,राजस्व खनिज सहित यातायात विभाग को जिम्मेदारी
- जिले का खनिज संसाधन तस्करी कर अन्य राज्यों को भेजे जाने मामले में यही सख्ती बदल जाती है नरमी में
- उठ रहा है सवाल,जिले का खनिज जिलेवासियों के उपयोग के लिए नहीं क्या अन्य राज्यों की क्या है पहली प्राथमिकता ?
- जिलेवासियों तक रेत न पहुंचे प्रशासन हुआ सख्त, राजस्व खनिज एवम यातायात विभाग को खनिज पकड़ने मिली जिम्मेदारी
- रेत माफियाओं द्वारा रेत जिले सहित राज्य से बाहर भेजे जाने पर प्रशासन रहता है मौन,नहीं करता कार्यवाही
- जिले के अन्य खनिज संपदाओं की भी अवैध तरीके से हो रही लूट, प्रशासन इसको लेकर नहीं है गंभीर

- रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 23 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

इस समय जिस प्रकार से पुलिस की कार्यप्रणाली देखी जा रही है उसे लेकर एक सवाल सभी के मन में आ रहा है वह सवाल है की क्या पुलिस के लिए हत्या, चोरी, डकैती, मारपीट, फर्जीवाड़ा सहित कई तरह के अपराध ही केवल अपराध हैं और वहीं अवैध कारोबार जिस तरीके से हो रहा है वह क्या अपराध नहीं है? क्या उसे पुलिस अपने लिए लाभ अर्जन का जरिया मान रही? जब हत्या, डकैती, लूटपाट, मारपीट जैसे अपराध पुलिस के सामने आते हैं तो वह अपनी साख को बचाने के लिए संलिप्त आरोपियों को पकड़ने के लिए जी जान लगा देती है पर जब अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने की बारी आती है तो पुलिस प्रशासन में क्यों वह तत्परता नहीं दिखती जो बाकी मामलों में दिखती है? पुलिस की तत्परता जिस प्रकार बाकी अपराधों के आरोपियों तक पहुंचने में दिखती है वैसी तत्परता अवैध कारोबार को बंद करने में भी दिखती तो शायद सामाजिक बुराइयों पर अंकुश लगाया जा सकता था और एक भय मुक्त वातावरण बनाया जा सकता था? ऐसी स्थिति क्यों निर्मित नहीं होती क्या इसके पीछे पुलिस अपना स्वार्थ देखकर लाभ अर्जन करना चाहती है? क्या यही वजह है कि अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में पुलिस नाकाम हो जाती है और जब पुलिस पर सवाल उठने लगते हैं तो फिर पुलिस सवाल उठाने वालों पर अपने वर्दी का रौब क्यों दिखाने लगती है? क्या सवाल पूछने का अधिकार नहीं है? क्योंकि आप खाकी वाले हो? आपसे सवाल कोई नहीं कर सकता? क्योंकि आपका ही सवाल आप के आड़े आता है कि कहीं सवाल पूछने पर खाकी के अंदर की मानवता छोड़ सवाल पूछने वालों के पीछे पड़ जाएंगे जो उनके अवैध कारोबार के लाभ अर्जन में बाधा बनते हैं?

कोरिया जिले में प्रशासन रेत जिलेवासियों तक न पहुंचे इसको लेकर काफी सक्रिय नजर आ रहा है और इसके लिए जिले के राजस्व, खनिज, पुलिस विभाग सहित यातायात विभाग को जिम्मेदारी दी गई है जो लगातार रेत परिवहन कर रहे वाहनों को पड़कर उनपर चालानी कार्यवाही कर रहें हैं और जिससे जिले में रेत की जरूरत रखने वाले जिलेवासी परेशान हैं। विगत वर्ष तक रेत का उठाव टेंडर प्रक्रिया के अंतर्गत रेत की खदान प्राप्त किये रेत ठेकेदारों द्वारा किया जाता था और वह रेत को जब मनमानी दर पर बेचा करते थे और नियम कायदों को ताक पर रखकर जब रेत उठाव करते थे तब प्रशासन मौन रहता था और तब भी जिलेवासी ही परेशान हुआ करते थे और उन्हें सड़कों तक पर आकर विरोध दर्ज करना पड़ता था और जैसा कई बार देखा भी गया था। जब टेंडर प्रक्रिया अंतर्गत रेत खदान प्राप्त किये ठेकेदार रेत उत्खनन कर रेत बिक्री किया करते थे तब वह अपनी मनमानी पर उतारू रहा करते थे और शासन द्वारा निर्धारित दर से अधिक दर पर वह रेत जिलेवासियों को बेचा करते थे वहीं अब जब रेत खदानों का टेंडर जिले में समाप्त हो चुका है तब भी जिलेवासी ही परेशान हो रहे हैं और रेत के लिए उन्हें काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। रेत खदानों का जब टेंडर प्रक्रिया अंतर्गत नीलामी हुआ था तब जिन ठेकेदारों ने रेत खदान प्राप्त किया था वह जिले की रेत को बड़ी बड़ी गाड़ियों से अन्य राज्यों को भी भेजा करते थे जिसपर प्रशासन मौन रहा करता था इस समय स्थानीय स्तर पर ही रेत को लेकर कार्रवाई जारी है जिस प्रकार से कार्यवाही हो रही हैं उसे लेकर स्थानीय लोगों को ही रेत मिलना बड़ा मुश्किल हो गया, रेत बेच कर अपना घर चलाने वाले लोगों के पीछे पूरी विभाग ही पड़ गई है, जगह जगह कार्यवाही हो रही हैं और कार्यवाही अभी सिर्फ एक विभाग ही नहीं, जिले के सारे विभाग से रेत कार्यवाही पर टूट पड़े हैं, ऐसे में उन गरीबों के लिए समस्या खड़ी हो गई है जो ट्रैक्टर चलाकर लोगों के घर रेत पहुंचा कर अपना जीवन यापन करते थे।

क्या खनिज संपदाओं की लूट में सफेदपोश शामिल,क्या यही शासकीय विभाग के मौन की वजह हैं?

जिले में रेत का मामला हो या कोयले की चोरी का मामला हो अविभाजित कोरिया जिले के खनिज संपदाओं का जमकर दोहन रेत माफिया और कोयला चोर कर रहें हैं पूरे मामले में जहां जिले का खनिज विभाग मौन रहता है वहीं जिले का राजस्व विभाग और पुलिस विभाग भी मामले में अनभिज्ञ बना रहता है क्योंकि खनिज संपदाओं की लूट सफेदपोश लोग कर रहें हैं और जिन्हें राजनीतिक संरक्षण भी प्राप्त है वहीं खनिज संपदाओं की लूट में सभी शासकीय विभागों का हिस्सा भी तय रहता है और जिस वजह से भी शासकीय विभाग मामले में मौन साधे रहते हैं और जिले में अवैध कारोबार के संरक्षक की भूमिका निभाते हैं।

कोयला हो या रेत दोनों ही जिले से अन्य राज्यों को भेजे जा रहे

कोयला हो या रेत दोनों ही जिले से अन्य राज्यों को भेजा जा रहा है और जो दिनदहाड़े भेजा जाता है और सभी शासकीय विभागों को इसकी जानकारी भी रहती है फिर भी इसे रोकने कोई सामने नहीं आता और यह कारोबार तेजी से बढ़ता जा रहा है वहीं पुलिस हत्या ,चोरी,सहित अन्य मामलों को ही मात्र अपराध कि श्रेणी में रखकर अपनी जिम्मेदारी निभा रही है और अवैध कारोबार मामले में आंखे मूंदे बैठी रहती है। कुल मिलाकर जिले की खनिज संपदाओं की लूट मची हुई है और लूट में शामिल चोरों को अपराधी मानने से पुलिस भी कतराती है। जिले में जनप्रतिनिधियों को साथ ही साथ विपक्ष के नेताओं को भी अवैध कारोबार मामले में मौन देखा जा रहा है और जिससे यह साबित हो रहा है कि कहीं न कहीं सभी इस अवैध कारोबार एवम कारोबारियों को लेकर मुश्किल में हैं और कुछ भी कह पाने की स्थिति में नहीं हैं। जिले के जनप्रतिनिधियों का मौन और जिले की खनिज संपदाओं की खुलेआम लूट के बीच यह भी बात कहना गलत नहीं होगा कि जिले में न तो सरकार लोककल्याणकारी राज्य की परिकल्पना लागू करा पा रही है और न ही अवैध कारोबारियों सहित प्रशासनिक तंत्र पर ही जनप्रतिनिधियों का नियंत्रण है। जिले में पूरी तरह अराजगता हावी है और लूट का सिलसिला जारी है जो लगातार देखा जा रहा है।

कुछ महत्वपूर्ण सवाल

सवालः क्या पुलिस के नजर में हत्या, चोरी, डकैती, मारपीट ही अपराध, अवैध कारोबार करना या कराना क्या अपराध नहीं ?

सवालः क्या सभी तरह की रोक केवल जिलेवासियों के लिए, अन्य राज्यों और जिलों के लिए अवैध उत्खनन व परिवहन भी है वैध ?

सवालः क्या जिलेवासियों की जगह तस्करों की सुविधा के लिए जिला प्रशासन कर रहा काम ?

सवालः रेत पकड़ने के लिए पुलिस, यातायात पुलिस, खनिज, तहसीलदार व एसडीएम सब चौकाने, अवैध कारोबार करने वाले के खिलाफ क्यों कोई चौकन्ना नहीं ?

सवालः क्या जिलेवासियों के लिए ही रेत पर है प्रतिबंध, क्या तस्करों के लिए नहीं हैं नियम कानून ?

सवालः क्या अवैध कारोबार से पुलिस को लाभ, बाकी सब अपराध?

सवालः क्या लाभ अर्जन की वजह से अवैध कारोबार फल फूल रहा ?

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक एवं युवा उत्सव में लगभग 3100 प्रतिभागी लेंगे हिस्सा,25 नवम्बर से होगा आयोजन

जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक एवं युवा महोत्सव में गांव से लेकर शहर तक के प्रतिभागी दिखाएंगे अपना हुनर

- संवाददाता -
सूरजपुर, 23 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

कलेक्टर सुश्री इफ्फत आरा के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक एवं युवा महोत्सव का आयोजन 25 नवम्बर 2022 से 28 नवम्बर 2022 तक स्टेडियम ग्राउण्ड सूरजपुर में किया जायेगा। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु जिला पंचायत सीईओ सुश्री लीना कोसम को नोडल अधिकारी और एस.डी.एम.सूरजपुर रवि सिंह और प्रभारी खेल अधिकारी शबाब हुसैन को सहायक नोडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में छत्तीसगढ़ की पारम्परिक 14 खेल विधाओं को शामिल किया गया है,जिसमें गिल्ली डंडा, पिट्ठूल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी, बांटी (कंचा), बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़ और लम्बी कूद शामिल है। इसमें 18 वर्ष तक, 18 से 40 और 40 वर्ष से अधिक इन तीन आयु वर्ग के महिला एवं पुरुष प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे। पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग प्रतियोगिता के साथ ही टीम एवं एकल स्तर पर प्रतियोगिताएं होगी। इसमें दो श्रेणी में प्रतियोगिताएं होगी । एकल श्रेणी की खेल विधा में बिल्लस, फुगड़ी, गेड़ी दौड़, भंवरा, 100 मीटर दौड़ एवं लम्बी कूद और दलीय श्रेणी में गिल्ली डंडा, पिट्ठूल, संखली, लंगड़ी दौड़, कबड्डी, खो-खो, रस्साकसी और बांटी (कंचा) जैसी खेल विधाएं शामिल की गई हैं। तो वहीं युवा महोत्सव में 18 प्रमुख विधाएँ - लोकनृत्य,लोकगीत,एकांकी नाटक,शास्त्रीय गायन,सितार वादन,बाँसुरी वादन,तबला वादन,वीणा वादन,मृदगंम वादन,हारमोनियम वादन,गिटार वादन,मणिपुरी नृत्य,ओडिसी,रॉक बैंड,भरतनाट्यम,कत्थक,कुचीपुड़ी ,वक्ततृत्व कला के साथ अन्य स्थानीय व पारम्परिक विधाएँ - सुआ,पंथी,करमा नाचा,सरहुल नाचा,बस्तरिहा लोकनृत्य,राउत नाचा,फुगड़ी,भौंरा गेड़ी दौड़,पारिम्परिक वेशभूषा प्रतियोगिता, फूड फेस्टिवल - छत्तीसगढ़ी व्यंजनों पर आधारित, चित्रकला प्रतियोगिता - छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के चित्रण के आधार पर,वाद-विवाद,क्विज,निबंध,कबड्डी,खो-खो,कुस्ती को भी शामिल किया गया है। इसमें 15 से 40 वर्ष और 40 वर्ष से अधिक आयु प्रतिभागी हिस्सा ले सकते हैं। जिला स्तरीय छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में लगभग 1800 प्रतिभागी और युवा महोत्सव में लगभग 1300 प्रतिभागी हिस्सा लेगें। कार्यक्रम का आयोजन इस प्रकार किया जायेगा - प्रथम दिवस 25 नवम्बर 2022 शुभारंभ, समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक छत्तीसगढ़िया ओलंपिक के सभी खेल आयु वर्ग 0-18 एवं 40 से ऊपर, द्वितीय दिवस 26 नवम्बर 2022,समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक छत्तीसगढ़िया ओलंपिक खेल आयु वर्ग 18 - 40 एवं युवा उत्सव के एकांकी नाटक आयु वर्ग 15 - 40 एवं 40 से ऊपर,तृतीय दिवस 27 नवम्बर 2022 समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक युवा उत्सव के कबड्डी और खो-खो एवं एकल सभी विधाएं आयु वर्ग 15 - 40 व 40 से ऊपर तथा चतुर्थ दिवस 28 नवंबर 2022 समापन समय दोपहर 12ः00 बजे से सायं 5ः00 बजे तक सुआ,करमा,लोकनृत्य व लोकगीत आयु वर्ग 15 - 40 एवं 40 के ऊपर ।

सर्व यादव समाज का जिला स्तरीय बैठक कोरिया झरना पारा मे हुआ संपन्न

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 23 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

सर्व यादव समाज का जिला स्तरीय बैठक कोरिया झरना पारा मे हुआ संपन्न,प्रदेश अध्यक्ष रमेश यदु, सहित महिला व युवा प्रदेश अध्यक्ष हुए शामिल, रमेश यदु ने कहा की समाजिक जागरूकता हेतु अंबिकापुर मे होगा संभागीय स्वाभिमान रैली, समाजिक उत्थान के लिए महिला शिक्षा व जागरूकता आवश्यक, शुभारंभ भगवान श्री राधाकृष्ण मंदिर में पूजा अर्चना के साथ किया गया।

सर्व यादव समाज कोरिया का जिला स्तरीय बैठक झरनापरा मे प्रदेश के तीनो प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष व जिला स्तरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति मे संपन्न हुआ, विदित हो शिक्षा, स्वरोजगार, नशामुक्ति, सामाजिक एकता व राजनैतिक स्तर पर शासन मे भागीदारी व समाजिक जागरूकता के उद्देश्य से 8 नवंबर से लगातार सभी जिलों में प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा प्रवास कर जिला स्तरीय बैठक लिया जा रहा है, जिसमे रमेश यदु प्रदेश अध्यक्ष व राष्ट्रीय महासचिव अहिर रेजिमेंट मोर्चा, श्रीमती सरिता यादव, प्रदेश अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, श्रीमती धनमती यादव कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष, श्रीमती गीता यादव प्रान्तीय महामंत्री व परमेश्वर यादव युवा प्रदेश अध्यक्ष सहित जिला अध्यक्ष श्री विजय यादव जी युवा मोर्चा अध्यक्ष रामसजीला यादव, संरक्षक श्री रेवा यादव, गणेश यादव, सुभाष यादव, गोरे लाल यादव, धनेश्वर यादव, राकेश यादव, राम सिहासन यादव, मारकंडे यादव, हेमसागर यादव, राम यादव, विवेक यादव, मनोज यादव, संतोष यादव, दुर्गा यादव, किशुन यादव, दिनेश यादव, धर्मवीर यादव महिला मोर्चा से भी हमारे बीच रही कृष्णावाती यादव नम्रता यादव, प्रमिला यादव एवं हमारे समस्त जिले के यादव बंधुओ की उपस्थिति रही।

तीन पुलिस महानिरीक्षक बदल गए तीन पुलिस अधीक्षकों का भी हुआ तबादला

- दो सालों से लगातार एक उपनिरीक्षक थाना प्रभारी जमे हुए हैं एक ही पुलिस थाने में, नहीं हुआ तबादला
- मामला सरगुजा संभाग के एमसीबी जिले के मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना के प्रभारी का
- दो वर्षों से ज्यादा समय से पदस्थ हैं एक ही पुलिस थाना में, उपनिरीक्षक हैं थाना प्रभारी

नहीं बदल सका तो बस एक थानेदार का प्रभार

-रवि सिंह-
बैकुण्ठपुर 23 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

सरगुजा संभाग के नवीन जिले एमसीबी के पुलिस थाना मनेंद्रगढ़ में थाना प्रभारी के रूप में विगत दो वर्षों से भी ज्यादा समय से काम कर रहे उपनिरीक्षक के ऊपर विभाग कितना मेहरबान है इसका उदाहरण देखने को मिल रहा है,संभाग से इसी समय अवधि में तीन तीन पुलिस महानिरीक्षक का अन्यत्र स्थानांतरण हो गया वहीं अविभाजित कोरिया जिला और वर्तमान में एमसीबी जिला अंतर्गत मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना प्रभारी के कार्यकाल के दौरान ही तीन तीन पुलिस अधीक्षकों का तबादला हो गया लेकिन मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी लगातार मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी की कुर्सी से चिपके हुए हैं और लगातार उनकी कार्यप्रणाली को लेकर छप रही खबरों के बीच भी उनका तबादला नहीं हुआ और थाना प्रभारी लगातार जमे हुए हैं।

मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी का आखिर किस प्रकार का जुगाड़ विभाग में है जिसकी वजह से उनका तबादला नहीं हो रहा है यह सवाल लगातार खड़ा हो रहा है। अविभाजित कोरिया जिले से ही मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी मनेंद्रगढ़ पुलिस थाना के प्रभार में हैं और जिला विभाजन पश्चात पुलिस विभाग के द्वारा किये फेरबदल में भी इन्हें कहीं अन्यत्र नहीं भेजा गया और उनके ऊपर विभागीय कृपा बरसती रही। मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी की कार्यप्रणाली भी ऐसी नहीं रही जो उनका तबादला होने से किसी तरह का विरोध खड़ा होने की स्थिति हो मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी की कार्यप्रणाली लगातार सुर्खियों में रही है और कई बार इनके कार्यप्रणालियों को लेकर इनके ऊपर आरोप भी लगे।

उपनिरीक्षक थाना प्रभारी अपने वरिष्ठ निरीक्षकों को पछाड़ दिए- मनेंद्रगढ़ थाना प्रभारी के कार्यकाल में थाना क्षेत्र में अवैध शराब का भी कारोबार भी जमकर फलाफूला और लगातार इसकी खबरें भी प्रकाशित होती रहीं लेकिन फिर भी उनके प्रभार में किसी प्रकार का बदलाव नहीं किया गया और वह एक ही जगह दो वर्षों से भी ज्यादा समय से डटे हुए हैं, जिले में कई पुलिस निरीक्षक दूरस्थ थानों में पदस्थ होते रहे लेकिन पता नहीं किसकी महिमा उपनिरीक्षक थाना प्रभारी मनेंद्रगढ़ पर बरसती रही जो उपनिरीक्षक होने उपरांत भी उन्हें थाना मिला और वह भी जिले का महत्वपूर्ण पुलिस थाना जो कहीं न कहीं विभाग पर ही सवालिया निशान है। पुलिस विभाग में निरीक्षकों की जगह उपनिरीक्षक को बड़े पुलिस थाने की जिम्मेदारी मिलना यह नियमानुसार भी सही नहीं है फिर भी मनेंद्रगढ़ के उपनिरीक्षक थाना प्रभारी अपने वरिष्ठ निरीक्षकों को पछाड़ते हुए लगातार जिले के महत्वपूर्ण पुलिस थाने में जमे हुए हैं और अपने से वरिष्ठ की जगह हथियाये हुए हैं।

प्रदेश में बदले एसपी ने अपने जिले के तबादला सूची जारी की पर कोरिया व एमसीबी में एसपी के बदलने के बावजूद तबादले सूची ने मुदेखी क्यों?- प्रदेश में बदले कई एसपीयों ने जिले की तबादला सूची जारी की पर कोरिया के एसपीयो तबादले के बावजूद अविभाजित कोरिया के कर्मचरियों के तबादले सूची मुंह देखी ही दिखी जारी की, ढाई सालों में छत्तीसगढ़ प्रदेश के कई जिलों के पुलिस अधीक्षक व संभाग के महानिरीक्षक बदले गए सभी जाते ही अपने क्षेत्र के जिलों में थोक में तबादला सूची जारी किया और सभी जिलों के तबादले सूची में डेढ़ सौ 200 लोगों के तबादले अपने ही जिले के अंतर्गत होते दिखे पर कोरिया जिला ही एक ऐसा मात्र जिला था जहां पर जो भी पुलिस अधीक्षक आया वह थोक में पुलिस कर्मचारियों की तबादला सूची जारी नहीं कर पाया, इसकी वजह जो भी हो पर संदेह तो उत्पन्न होता है, उसमें से ही एक अविभाजित कोरिया जिले का मनेन्द्रगढ़ थाना है जहां पिछले ढाई साल में एक थाना प्रभारी रहते हुए, जिले के 3 पुलिस अधीक्षक बदल गए संभाग के तीन पुलिस महानिरीक्षक बदल गए पर नहीं बदल पाए तो सिर्फ मनेन्द्रगढ़ के थाना के उपनिरीक्षक, निरीक्षक लाइन में अपना समय काट रहे और उप निरीक्षक थाने में मलाई काट रहे है।

पहले स्पोर्ट्स कंपलेक्स और अब शादी घर पर लगा ग्रहण, हाईकोर्ट के आदेश ने दोनों निर्माणों पर लगाई रोक

- बैकुंठपुर स्थानीय विधायक द्वारा जिस शादी घर के निर्माण का भूमि पूजन किया गया था वह पड़ा खटाई में
- बिना योजन निर्णय में कई प्रकार की बाधाएं जिला मुख्यालय में देखने को मिल रही
- घटती-घटना ने जिस बात का जताया था अंदेशा आखिर वही हुआ

शहर से बाहर शादी घर बनाना आखिर किसका फैसला ?

» भूमि चयन से लेकर स्वीकृति तक,टेंडर प्रक्रिया भी पूरी,प्रस्तावित भूमि पर ना बनाकर अलग जगह शादी घर बनाने की तैयारी क्यों?

» शादी घर बनाने के लिए नपा ने हाई स्कूल के सामने डब्बा क्वार्टर डिस्मेंटल कराया,प्रस्तावित भूमि की राशि चुकाई,अब शादी घर कहीं और बनाने की जुगत में

- रवि सिंह -
बैकुण्ठपुर 23 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

बिना सोचे समझे वह सही सोच के साथ यदि कोई निर्णय नहीं लिया जाता है तो उसका परिणाम भी सही नहीं होता है कुछ ऐसा ही इन दिनों कोरिया जिले के बैकुंठपुर मुख्यालय में देखने को मिल रहा है जितने भी निर्णय अभी तक लिए गए हैं सारे निर्णय हाईकोर्ट के आदेश के बाद खटाई में पड़ते दिख रहे हैं पूर्व में स्पोर्ट्स कॉन्प्लेक्स और अब शादी घर खटाई में पड़ता दिख रहा और इसकी वजह है सिर्फ अड़ियाल सोच। घटती घटना ने जिस बात का जताया था अंदेशा आखिर वही हुआ। गलत तरीके से हुए भूमि पूजन के मामले में जहां नगर पालिका अध्यक्ष के साथ दुर्व्यवहार हुआ था वही शादी का निर्माण में अड़चन आएगी इस बात को घटती-घटना ने खबर में प्रकाशित कर अंदेशा जताया था आखिर वही देखने को भी मिला हाईकोर्ट के आदेश के बाद आखिर खटाई में पड़ता दिख रहा शादी घर अब इसका जिम्मेदार कौन है? अब इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा यह शहर के लोग पूछ रहे हैं?

ज्ञात हो की नगरपालिका परिषद बैकुन्ठपुर व्दारा लगभग ढेड़ करोड़ रुपए के लागत से बनने वाले शादी घर पर ग्रहण लगता दिखाई पड़ रहा है। बैकुन्ठपुर में शादी घर की आवश्यकता को देखते हुए 23 मार्च 2017 को बैकुन्ठपुर प्रवास पर आए तत्कालीन नगरीय निकाय मंत्री अमर अग्रवाल ने बैकुन्ठपुर में शादी घर निर्माण कराए जाने की घोषणा की थी। घोषणा के अनुसार तत्कालीन मुख्य नगरपालिका अधिकारी अशोक शर्मा बने 25 मार्च 2017 को कलेक्टर को पत्र लिखकर शादी घर निर्माण के लिए हाई स्कूल के सामने डब्बा क्वार्टर की भूमि का चयन, शादी घर के लिए परिषद व्दारा किये जाने का उल्लेख करते हुए हाई स्कूल के सामने की भूमि खसरा क्रमांक 389/1 एवं 390 की मांग की। 21 फरवरी 2018 को मंत्री अमर अग्रवाल के व्दारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय सर्व मांगलिक भवन निर्माण एवं छठ घाट के निर्माण की मंजूरी देतु हुए शादी घर के लिए डेढ़ करोड़ की राशि बैकुन्ठपुर नगरपालिका को आबंटित कर दी। तमाम शासकीय औपचारिकता को पूरा करते हुए 31 जनवरी 2019 को तत्कालीन कोरिया कलेक्टर नरेन्द्र दुग्गा ने नगरपालिका के मांग पर राष्ट्रीय राजमार्ग से लगे हाई स्कूल के सामने की भूमि खसरा नम्बर 389/1 एवं 390 रकबा 0.620 हे0 शादी घर के लिए टोकन दर पर लगभग 67 हजार रुपए में देने का आदेश पारित किया। नगरपालिका ने शासकीय कोष में राशि जमा करा कर शहर के मध्य शादी घर निर्माण हेतु उपयुक्त भूमि प्राप्त कर ली। नगरपालिका व्दारा 26 फरवरी 2020 को हाई स्कूल के सामने शादी घर निर्माण के लिए निविदा का प्रकाशन कराया गया एवं 2 मई 2020 को निविदा खोली गई जिसमें ओझा कंस्ट्रक्शन सूरजपुर ने 12.44 प्रतिशत कम रेट में लगभग 1 करोड़ 29 लाख का रेट डालकर सफल निविदाकार रहे। इसकी वित्तीय स्वीकृति 22 अगस्त 2020 को तत्कालीन कलेक्टर सत्यनारायण राठौर द्वारा प्रदान की गई।

वित्तीय स्वीकृति के बाद भी ओझा कंशट्रक्शन को शादी घर निर्माण का वर्क आर्डर नहीं दिया गया

वित्तीय स्वीकृति मिलने के बाद ओझा कंशट्रक्शन को शादी घर निर्माण का वर्क आर्डर दिया जाना था किन्तु मनमाने ढंग से बिना किसी शासकीय औपचारिकता पूरी किए ओझा कंस्ट्रक्शन का वर्क आर्डर निरस्त कर शहर के बाहर एक ऐसी विवादित भूमि को शादी घर के लिए राजनैतिक दबाव में चुना गया जिसमें स्थानीय बिल्डर के व्दारा बाउन्ड्री वाल बना कर घेरावा कराया गया था। जानकारी के मुताबिक सिर्फ इसी वजह से उस भूमि का चयन शादी घर के लिए किया गया जबकि उस भूमि के लिए नगरपालिका के व्दारा कोई शासकीय औपचारिकता पूरी नहीं की गई है।

दूसरे की निजी भूमि को पहले गलत ढंग से शासकीय भूमि के रूप में दर्ज किया गया

आरोप है की दूसरे की निजी भूमि को पहले गलत ढंग से शासकीय भूमि के रूप में दर्ज किया गया और फिर उस छोटे झाड़ के जंगल मद की भूमि को त्रुटि पूर्ण आदेश पारित करते हुए नगरपालिका को शादीघर के लिए दे दिया गया। शादी घर के लिए नगरपालिका ने दोबारा टेंडर निकाला और जो शादी घर का निर्माण 1 करोड़ 29 लाख में हो रहा था उस काम को 1 करोड़ 63 लाख में दिया गया यानि इसमें भी 34 लाख रुपए की गड़बड़ी हुई। जिसकी शुरुआत ही विवाद से हो उसमें कोई भी काम अविवादित कैसे हो सकता है स्थानीय विधायक अम्बिका सिंहदेव के व्दारा चेर की भूमि में शादी घर के निर्माण का शिलान्यास हुआ लेकिन नगरपालिका के अध्यक्ष एवं पार्षदों को तवज्जो नहीं दिए जाने के कारण वह कार्यक्रम भी खासा विवादित रहा।

भूमि स्वामी ने उच्च न्यायालय में दायर की याचिका

इसी बीच वास्तविक भूमि स्वामी ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की कि उसके जमीन को गलत ढंग से शासन के मद में दर्ज कर उसमें शादी घर बनाया जा रहा है जिस पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने अंतरिम आदेश पारित करते हुए कलेक्टर कोरिया एवं तहसीलदार बैकुन्ठपुर को निर्देशित किया कि दो माह के अन्दर भूमि का सीमांकन कर उसके वास्तविक भूमि स्वामी को दिया जाए साथ ही उच्च न्यायालय ने यह भी आदेश दिया कि जब तक ऐसा नहीं कर दिया जाता तब तक उसके भूमि में कोई दखल नहीं दिया जाए। उच्च न्यायालय के आदेश के बाद अब चेर में शादी घर नहीं बन पाएगा, क्योंकि नगरपालिका को वही भूमि आबंटित की गई थी जिसको बिल्डर द्वारा बाउंड्री वाल बना कर घेरा गया था और अब उस जमीन को उच्च न्यायालय के आदेश के बाद वापस करने के बाद नगरपालिका के द्वारा वंहा शादी घर बनाना संभव नहीं होगा।

पूर्व आबंटित जगह पर शादी घर का निर्माण होता तो आज वह बनकर तैयार होता

यदि नगरपालिका र्निविवादित रुप से पूर्व आबंटित जगह पर शादी घर का निर्माण करा देती तो आज वह बनकर तैयार हा जाता और शहर के लोग उससे लाभांवित हो रहे होते। लेकिन राजनीतिक दबाव एवं अदूरदर्शिता और नगरपालिका के गलत र्निणय का दंश आज पूरा शहर झेल रहा है जिससे ना सिर्फ शहर के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बल्कि शहर का जो पैसा शहर के विकास व सौंदर्यीकरण में खर्च होता वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रहा है। अब देखना यह है कि नगरपालिका बहुप्रतिक्षित या यूँ कहें बहुचर्चित शादी घर का निर्माण का कार्य कंहा शुरु कराती है, बैकुन्ठपुर के आम से खास लोगों तक एवं शोसल मीडिया में पहले बिल्डर को दी गई जमीन पर 3 करोड़ से भी अधिक लागत से बनने वाले स्पोर्टस काम्पलेक्स और अब उसी बिल्डर की भूमि पर बनने वाले शादी घर में उच्च न्यायालय के द्वारारा रोक लगाने से चर्चाओं का बाजार गर्म है।

चोरी की मोटर सायकल सहित एक गिरफ्तार,चौकी उमेश्वरपुर पुलिस की कार्यवाही

- संवाददाता -
सूरजपुर, 23 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)।

ग्राम शिवनगर, चौकी तारा निवासी लक्ष्मण सिंह ने चौकी उमेश्वरपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 10/11/22 की सुबह रेलवे गार्ड ड्यूटी हेतु ग्राम सलका प्राण पथरी रेलवे लाईन किनारे अपने होण्डा मोटर सायकल को खड़ा कर चला गया, ड्यूटी से वापस आने पर मोटर सायकल वहां नहीं था किसी अज्ञात चोर के द्वारा मोटर सायकल चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर धारा 379 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

मामले की सूचना पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू ने अज्ञात चोर की पतासाजी कर जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश चौकी प्रभारी को दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व एसडीओपी प्रेमनगर प्रकाश सोनी के मार्गदर्शन में चौकी उमेश्वरपुर की पुलिस चोर की पतासाजी में लगी थी इसी बीच मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम ललाती, थाना उदयपुर निवासी बिपिन सिंह बादी चोरी की मोटर सायकल चला रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी विपिन सिंह बादी पिता कृपाल सिंह उम्र 19 वर्ष को पकड़ा गया। पूछताछ पर उसने मोटर सायकल चोरी करना स्वीकार किया, आरोपी के निशानदेही पर चोरी की मोटर सायकल कीमत 80 हजार रूपये का बरामद कर उसे गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी उमेश्वरपुर देवनाथ चौधरी, प्रधान आरक्षक कपिल सिंह, जगजीत सिंह, आरक्षक विक्रम सिंह, राकेश सिंह, शिवशंकर सिंह, मनोज जायसवाल, सुरेन्द्र सिंह व सैनिक रविन्द्र सिंह सक्रिय रहे।

फिर सुर्ख़ियों में सोनपुर धान खरीदी केंद्र

- ओमकार पांडेय -
सूरजपुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

धान खरीदी केंद्र आदिम जाति सेवा सहकारी समिति सोनपुर फिर से सुर्खियों में है। क्योंकि यहां प्रशासन को बार बार धान खरीदी प्रभारी बदलना पड़ रहा है। दुबारा प्रशासन ने सोनपुर समिति में खरीदी प्रभारी की नियुक्ति करने से वे लोग सकते में आ गए हैं जिनकी धान खरीदी में उनकी धौंस नहीं चलने वाली है जिसके बलबूते बड़े बड़े घोटाले किए जाते हैं। सोनपुर समिति विगत कई वर्षों से धान खरीदी सहित बड़े-बड़े कारनामे के लिए मशहूर रहा है यही कारण है कि प्रशासन द्वारा धान खरीदी प्रभारियों पर विगत कई वर्षों से कार्यवाही हुई है जिसमे कई लोग जेल जा चुके हैं वहीं कुछ तो बेल पर हैं। इसलिए इस सत्र में जिले के कलेक्टर ने समितियों का दौरा कर ऐसे व्यक्तियों को धान खरीदी प्रभारी बनाया जो शासकीय कर्मचारी रहे लेकिन जब उन्होंने धान खरीदी का दायित्व निर्वहन करने से हाय तौबा कर लिया बल्कि मेडिकल लेकर छुट्टी में चले गए जिससे प्रशासन की मुश्किल और बढ़ गई ऐसी परिस्थिति में समिति के एक कर्मचारी को सोनपुर में प्रभारी बनाया गया। लोग तो यह भी बताते हैं कि इस कर्मचारी का दलालों से 36 का आंकड़ा है। यही कारण है कि यहां के रसूखदार खरीदी प्रभारी को बदलने का दावा कर रहे हैं अब यह देखना भी दिलचस्प होगा कि रसूखदार अपने मनवाकिफ खरीदी प्रभारी को नियुक्त करा पाते हैं या प्रशासन द्वारा नियुक्त कर्मचारी से ही धान खरीदी होगी।

एएसपी रोहित झा छात्राओं से हुए रूबरू,दिए विविध जानकारी

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 23 नवम्बर 2022
(घटती-घटना)

पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल द्वारा संचालित समर्थ जागरूकता अभियान के अंतर्गत बुधवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरिया रोहित झा शासकीय नवीन कन्या महाविद्यालय बैकुंठपुर पहुंच कर जिले में संचालित समर्थ अभियान के अंतर्गत छात्राओं को घरेलू हिंसा, महिला उत्पीड़न, साइबर अपराध,अनुशासन के साथ यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

यातायात नियमों, संकेतों एवं चिन्हों की जानकारी प्रदान करते हुए कहा कि यातायात एक ऐसा विषय वस्तु है जिससे कोई भी व्यक्ति अछूता नहीं है, चाहे कोई कितना भी पढ़ा लिखा हो अनपढ़ हो, रोजगार पर हो या बेरोजगार हो, व्यापारी या श्रमिक हो सभी को अपने जीवन निर्वहन के दौरान यातायात से होकर गुजरना होता है इस दौरान इन नियमों की जानकारी के अभाव में दुर्घटनाएं घटित होती हैं इन दुर्घटनाओं से बचाव हेतु चौराहा पार करने का नियम, ट्रैफिक सिग्नल लाइट, हाथों के संकेतों के माध्यम से यातायात व्यवस्था का संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, दो पहिया वाहन में तीन सवारी ना चलना, वाहन चलाते समय मादक द्रव्यों का सेवन ना करना, तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलाना, प्रेशर हार्न का उपयोग ना करना, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करने, जेब्रा क्रॉसिंग, गुड सेमेरिटन, लाइसेंस बनवाने के नियम, दुर्घटना के कारण व दुर्घटना घटित होने पर चालक के कर्तव्य, सड़क पर वाहन चलाने की सही तरीका, मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराएं व उसमें निर्धारित जुर्माने की राशि के साथ यातायात के अनिवार्य, चेतावनी व सूचनात्मक संकेतों से संबंधित जानकारी प्रदान की एवं कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा पूछे गए सवालों का बड़े ही सरल ढंग से जवाब देते हुए जीवन में यातायात नियमों का पालन करने की शपथ दिलाई। उक्त जागरूकता अभियान के दौरान उप पुलिस अधीक्षक श्रीमती कविता ठाकुर, लांस नायक डॉ. महेश मिश्रा, आरक्षक वसीम रजा, महिला आरक्षक पूर्णिमा सिदार, संस्था की प्राचार्य डॉ. रंजना नीलिमा कच्छप, सहायक प्राध्यापक श्रीमती कनक लता पैकरा, अल्का दुबे, वरुण कुशवाहा, विक्की राम, देवेंद्र मिश्रा सहित अन्य महाविद्यालयीन स्टाफ एवं काफी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने मितानिन दीदियों के स्वास्थ्य सुविधाएं अंतिम छोर तक पहुंचाने में अहम योगदान को किया सलाम

- मितानिन दीदियों के मेहनत का सम्मान करते हुए पूर्व जनपद उपाध्यक्ष ने बांटा कंबल।
- कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हुआ सम्मान, जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने कलेक्टर ने मितानिन दीदियों से लिए सुझाव।

- संवाददाता -
बैकुण्ठपुर 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

मितानिन सम्मान दिवस के अवसर पर कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मितानिन दीदियों के संघर्ष, साहस और सहयोग की सराहना करते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ और बैग देकर सम्मान किया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को ग्राम स्तर पर पहुंचाने में मितानिनों के योगदान पर उन्हें बधाई दी और इसी तरह बेहतर काम करने हेतु प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर मौजूद सीईओ जिला पंचायत श्रीमती नम्रता जैन ने भी मितानिन दीदियों का उत्साह वर्धन किया।

कलेक्टर ने इस दौरान कोविड महामारी की भयावह स्थिति और उस दौर में मितानिन दीदियों के योगदान पर बात की। उन्होंने कहा कि कोविड के दौरान मितानिनों द्वारा गांव-गांव जाकर दवाई वितरण और टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरूक करने में जो अथक मेहनत की सराहनीय है।इस बीच कार्यक्रम में मौजूद मितानिनों ने अपने अनुभव भी साझा किए। उन्होंने बताया कि शुरुआत में बेहद दिक्कतों का सामना करना पड़ा। ग्रामीण महिलाओं का घर से बाहर निकल कर काम करना, दूरस्थ क्षेत्रों में जाना काफी संघर्ष करना पड़ता था। पर बेहतर काम कर पाने की खुशी भी होती है। कलेक्टर श्री लंगेह ने मितानिन दीदियों से ग्रामीण स्तर पर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के संबंध में भी सुझाव लिए। जिसपर मानसिक रोगों के संबंध में ब्लॉक स्तर पर भी काउंसलिंग शुरू करने के सुझाव मितानिनों ने रखे। कलेक्टर ने इस पर सीएमएचओ को निर्देशित किया कि डॉक्टरों के लिए कार्यशाला आयोजित कर प्रशिक्षण दिया जाए जिससे डिप्रेशन, स्ट्रेस से जूझ रहे लोगों की काउंसलिंग ब्लॉक स्तर पर शुरू की जा सके। कलेक्टर ने आगामी दिसंबर माह में एनीमिया मुक्त कोरिया अभियान के दूसरे चरण में सहयोग करने हेतु भी मितानिन दीदियों से अपील की।

मितानिन दीदियों के मेहनत का सम्मान करते हुए पूर्व जनपद उपाध्यक्ष ने बांटा कंबल- कम मानदेय में सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं व सरकार के लिए हर कदम पर खड़े रहने वाली मितानिन दीदियों का मितानिन सामान दिवस पर बैकुंठपुर के प्रेमाबाग में पूर्व जनपद उपाध्यक्ष व पिछड़ा वर्ग के जिला अध्यक्ष अनिल जयसवाल ने हौसला अफजाई करते हुए उन्हें सम्मानित किया और कहा की संघर्ष, साहस और सहयोग की मै सराहना करता हूं, श्री जयसवाल कहा कि मितानिन बहने काफी मेहनत कश है और काफी मेहनत करते भी हैं इनकी मेहनत सभी के सामने दिखता है जो किसी से छिपा नहीं इनकी मेहनत की जितनी भी सराहना की जाए उतनी ही कम है, मितानिन बहनों की मेहनत ऐसी है जिससे सभी को लाभ मिलता है, मितानिन बहनों की वजह से ही लोगों में जागरूकता फैलती है, मितानिन बहने हर योजनाओं को लोगों तक पहुंचाती हैं साथ ही उनका क्रियान्वयन भी वह कराती हैं मितानिन दीदियों को पुष्पगुच्छ और कंबल देकर सम्मान किया।

दर्री पुलिस ने केंदई खार में महिला के ऊपर प्राणघातक हमला करने वाले 03 आरोपी को किया गिरफ्तार

- संवाददाता -
कोरबा, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

दर्री पुलिस ने दिनांक 6/10/22 की रात्रि ग्राम केंदई खार में सुभद्रा हरिया नमक महिला पर हुए प्राणघातक हमले की गुत्थी सुलझाने के सफलता प्राप्त की है। घटना की जानकारी देते हुए नगर निरीक्षक विवेक शर्मा ने बताया कि दिनांक 6/10/12 की रात सुभद्रा भरिया नमक महिला, जो ग्राम केंदई खार की रहने वाली है, और एक सुपर स्टोर में कार्य करती है, रात्रि लगभग 9.30 बजे अपना काम खत्म करके साइकिल से अपने घर ग्राम केंदई खार के लिए निकली थी, बाद में वो महिला रास्ते में लहूलुहान हालत में पड़ी मिली, जिसकी हालत नाजुक थी, घटना घटित करने वाले की कोई जानकारी नहीं मिल पाई थी। बाद में महिला अस्पताल में लगभग 20 दिनों तक गंभीर हालत में जिंदगी और मौत के बीच झूलती रही, जब उसकी हालत थोड़ी ठीक हुई तो पूछताछ पर उसने 2 लोगों के द्वारा स्वयं पर हमला करने की जानकारी दी। घटना के संबंध में पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह को जानकारी प्राप्त होने पर उन्होंने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए, अपराधियों की पता तलाश सर्व प्राथमिकता से करने के लिए थाना दर्री को कहा गया। जिसमे अपराध क्रमांक 370/22 धारा 307 आईपीसी का दर्ज करते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कार्य निर्देश और नपुअ दर्री रॉबिंसन गुडिया के पर्यवेक्षण में दर्री पुलिस ने इस मामले के अज्ञात आरोपियों की पतासाजी शुरू की। मामले में अज्ञात आरोपियों के द्वारा घटना घटित की गई थी, और घटना की देखने जानने वाला कोई नहीं था, इस कारण महिला के सर्किल में उसके परिचितों एवं किससे दुश्मनी या रंजिश हो सकती है, इस संबंध में जानकारी अर्जित करने पुलिस के द्वारा ग्राम में और आसपास लगातार पता किया गया। इस संबंध में महिला की रंजिश गोवर्धन नमक व्यक्ति के साथ होने की जानकारी मिली, जिसका सहयोगी एक बालक उर्फ सीपत धनुहार नाम का युवक होने की जानकारी मिली। इस पर बालक को पकड़ने की कोशिश की गई पर वह भाग गया, काफी तलाश के बाद पुलिस को उसे पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई। उसने पूछताछ पर घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गोवर्धन ,सुभद्रा से रंजिश रखता था, क्योंकि सुभद्रा उसके साथ रहने को तैयार नही थी। इस कारण उसने घटना दिनांक को इसे और घनश्याम भरिया को शराब पिलाकर सुभद्रा को मारने के लिए योजना बनाई।फिर जब सुभद्रा अपने काम से वापस आ रही थी तो ये लोग उसका पीछा करके उसे केंदई खार बांस झाड़ी के पास रोके, और बालक तथा गोवर्धन ने साथ में लाए डंडे से सुभद्रा के सिर और पैर में प्राणघातक हमला किया।घनश्याम वही खड़े होकर रखवाली कर रहा था, की कोई आ न जाए। फिर सुभद्रा को मरा समझकर तीनो वहां से भाग गए, और डंडे को पाइप लाइन के पास फेंक दिए। पुलिस ने इस जानकारी के मिलने पर तत्काल गोवर्धन और घनश्याम भरिया को ढूंढकर पकड़ा , फिर पूछताछ

पर उनके द्वारा घटना करने की पुष्टि की गई। पुलिस के द्वारा सुभद्रा को मारने में इस्तेमाल किए गए डंडे को बरामद करके और आरोपियों की मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया गया है। आरोपियों को रिमांड पर माननीय न्यायालय भेजा गया।

इस अंधे प्राणघात मामले को हल करने में थाना दर्री की सहायक उप निरीक्षक अनिता खेस, आरक्षक राजेश राठौर, सुरेश महिलांगे, लीलाधर चंद्रा ओमप्रकाश निराला, गजेंद्र रजवाड़े, अशोक चौहान ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

ग्राम पंचायत रतनपुर मे फर्जी हस्ताक्षर से राशि आहरण की शिकायत

- संवाददाता -
खडगवा, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जनपद पंचायत खडगवा के ग्राम पंचायत रतनपुर के पचो एवं उपसरपंच ने लिखित शिकायत कलेक्टर अनुविभागीय अधिकारी मुख्य कार्य पालन अधिकारी से कि है ग्राम पंचायत के सरपंच उमा सिंह सचिव शिवभजन सिंह के द्वारा ग्राम पंचायत की बैठक पंजी मे पंचो के दिनांक12/10/2022 फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक से राशि का आहरण किया गया है।

इसकी जानकारी ग्राम पंचायत के पंच और उपसरपंच को पंचायत की बैठक में बैठक पंजी के निरीक्षण के दौरान मिली की ग्राम पंचायत के बैठक पंजी मे फर्जी हस्ताक्षर कर बैंक से राशि का आहरण किया गया है। शिकायत जाच मे गये करारोपण अधिकारी पत्रिक एकका से इस संबंध में जानकारी चाही तो उन्होंने ने कहा की हस्ताक्षर तो पंजी मे पंचो के ही है फर्जी हस्ताक्षर नहीं हुआ है।

जाचकर्ता अधिकारी शिकायत जाच के नाम पर सिर्फ और सिर्फ खानापूर्ति ही की जा रही है।

ग्राम पंचायत के उपसरपंच पंचो ने ग्राम पंचायत में हुए भ्रष्टाचार की जांच कर उचित कार्य वाही की मांग की है।

निजात अभियान अंतर्गत छात्रों ने रैली निकालकर नशा मुक्ति का दिया संदेश

- संवाददाता -
कोरबा, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कटघोरा पुलिस ने नशे से दूर रहने लोगों को जागरूक करने नगर में रैली निकाली, जिसमें शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटघोरा के छात्रों ने शामिल होकर कटघोरा शहर में घूम घूम कर नसे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया एवं नशा मुक्ति सम्बंधित संदेश दिए गए । कटघोरा थाना परिसर से शुरू हुई रैली में कटघोरा एसडीओपी ईश्वर त्रिवेदी, थाना प्रभारी अश्विन राठौर के अलावा नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष रतन मित्तल की भी मौजूदगी रही। रैली शहीद वीर नारायण चौक से होकर नया बस स्टैंड से वापस कटघोरा थाना पहुंचकर समाप्त हुई। एसपी संतोष सिंह ने राजनीतिक, सामाजिक व स्वयंसेवी संगठनों के अलावा आम जनता को भी इस निजात अभियान से जुड़ने की अपील किये हैं।

कलेक्टर संजीव झा की पहल पर भू- विस्थापित राधेश्याम को मिलेगा मकान,एसईसीएल प्रबंधन को जल्द मकान उपलब्ध कराने दिए निर्देश

- संवाददाता -
कोरबा, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर संजीव झा ने कलेक्टोरेट सभा कक्ष में आयोजित जन-चौपाल में आमजनो की समस्याएं सुनी और विभाग के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जन चौपाल में 132 आवेदन प्राप्त हुए। जन-चौपाल में एसईसीएल कुसमुंडा से संबंधित प्रकरण में भूविस्थापित नरईबोध निवासी राधेश्याम कश्यप ने समस्या बताई कि एसईसीएल कुसमुंडा प्रबंधन ने भू अर्जन के बदले उसको उसको रोजगार तो दिया है, लेकिन बसाहट के नियम के बाद भी अब तक बसाहट नहीं दिया गया है और न ही रहने के लिए आवास उपलब्ध कराया ,जिसके कारण वह परेशानी के बीच रहने मजबूर है। इस समस्या पर कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित एसईसीएल कुसमुंडा जीएम को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रभावित को तत्काल बसाहट या मकान आवंटित करने की कार्यवाही किया जाए। इसी तरह सतरेंगा में जय ठाकुर देव नौका विहार समिति की ओर से लाइफ जैकेट की मांग कलेक्टर से की गई। इस पर कलेक्टर ने समिति की मांग को गंभीरता से लेते हुए जल्द 500 लाइफ जैकेट उपलब्ध कराने कहा। इस संबंध में जिला नगर सेनानी के कमांडेंट को निर्देशित करने कहा गया।

पुरुष नसबंदी जागरूकता के लिए प्रचार-प्रसार रथ रवाना,अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले ने दिखाई हरी झंडी

- संवाददाता -
कोरबा, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

अपर कलेक्टर विजेंद्र पाटले ने पुरुष नसबंदी जागरूकता के लिए प्रचार प्रसार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वही स्वास्थ्य विभाग की ओर से परिवार नियोजन के तहत चार दिसंबर तक पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का आयोजन किया जा रहा है। प्रचार- प्रसार रथ के द्वारा जिले के सभी विकासखण्डों में पुरूष नसबंदी को लेकर जागरूकता लाने प्रचार किया जाएगा। पुरुष नसबंदी कराने वाले हितग्राहियों को तीन हजार रुपए प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। परिवार नियोजन के लिए पुरूष नसबंदी व अन्य माध्यमों के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों के क्रम में हर साल पुरूष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जाता है। इसी कड़ी में 21 नवंबर से आगामी चार दिसंबर तक पुरुष नसबंदी पखवाडा मनाने का निर्णय लिया गया है। जिसमे इस वर्ष का

थीम ÷अब पुरूष निभाएंगे जिम्मेदारी परिवार नियोजन को अपनाकर दिखाएंगे अपनी भागीदारी÷ है। इस तरह इस वर्ष के पुरूष नसबंदी पखवाडें का विषय परिवार नियोजन में पुरूषों की सक्रिय भागीदारी से है। इस दौरान सीएमएचओ डॉ.एसएन केसरी,डीपीएम डॉ.असरफ अंसारी सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। वही सीएमएचओ डॉ.एसएन केसरी ने बताया कि जिले में पुरूष नसबंदी को बढावा देने के उद्देश्य से पुरूष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा है। यह पखवाड़ा दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। प्रथम चरण में स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपने क्षेत्र के योग्य लक्ष्य दंपतियों के पुरूषों से संपर्क कर,व्यक्तिगत चर्चा कर नसबंदी के फायदे बताएंगे। साथ ही पुरूष नसबंदी से जुड़ी भ्रातियों और मिथकों को दूर करने आवश्यक सलाह भी देंगे। सीएमएचओ ने बताया कि परिवार नियोजन के स्थाई साधन अपनाने के मामले में पुरुष काफी पीछे रहते हैं जबकि पुरुष नसबंदी एक मामूली सी शल्य क्रिया है द्व महिला नसबंदी के मुकाबले यह कारगर भी है द्व पुरुष नसबंदी में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं होती है। सीएमएचओ ने जिले के लक्ष्य दंपतियों में जो पुरुष अपना परिवार पूर्ण कर चुके हैं उन्हें इस पखवाड़े में पुरुष नसबंदी करा कर अपने परिवार को खुशहाल बनाने की अपील की। उन्होंने बताया की जिले के ग्रामों में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, ऑंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा मितानिन के द्वारा सास-बहु सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। जिसमे परिवार कल्याण के अस्थाई व स्थाई साधनों के महत्व और लाभ के बारे में विस्तार से बताया जाएगा।

अवैध रूप से रेत परिवहन पर खनिज विभाग की कार्रवाई

- संवाददाता -
कोरबा, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

जिले में माइनिंग अधिकारी कर्मचारियों के फेरबदल होने के बाद हरदी बाजार सराई सिंगार स्थित खनिज बैरियर में अवैध रेत परिवहन करने वाले ट्रैक्टर के ऊपर कार्यवाही किया गया द्व लीलागर नदी से रेत परिवहन करते समय जिला माइनिंग अधिकारी के निर्देशन पर दो ट्रैक्टर को अपने कब्जे में लेते हुए कार्यवाही किया गया द्व सराई सिंगार माइनिंग बेरियर में लीलाधर नदी से अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे ट्रैक्टर की शिकायत मिलते ही सैनिकों के द्वारा घेरा बंदी कर पकड़ा, जिसे खनिज बेरियर लाया गया है एव जिनके ऊपर अवैध परिवहन करते हुए कार्यवाही किया गया है।

शिविरार्थी छात्राएं नुक्कड़ नाटक एवं दीवार लेखन के माध्यम से चला रहीं नशामुक्ति अभियान

- संवाददाता -
सूरजपुर, 23 नवम्बर 2022 (घटती-घटना)।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अधिना-सलका जिला-सूरजपुर ,छत्तीसगढ़ राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम केंवटाली में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के तृतीय दिवस 23/11/2022 को प्रातः 6 से 8 बजे तक पतंजलि योग समिति के जिला प्रभारी राम प्रताप राजवाड़े ने इंटीग्रेटिड योगाभ्यास कराया। जिसमें यौगिक जोगिक, सूर्यनमस्कार, एवम् समग्र/समन्वित योगासन, आसन के साथ कपालभाती, मंडुक आसन, शशाक आसन, योग मुद्रा आसन , अर्धमत्स्येंद्रासन, वक्रासन, गोमुखासन, भुजंगासन, मर्कटासन, पवनमुक्तासन उत्तानपादासन, नौकासन,सेतुबंध आसन सर्वांगासन, हलासन उष्ट्रासन कराते हुए करने की सही विधि एवम् लाभ के बारे में जानकारी दी एवम् कठिन आसनों का प्रदर्शन किया। योगाचार्य राजवाड़े ने बताया कि सम्यक विधि एकाग्रता व निरंतरता पूर्वक किया हुआ योगाभ्यास हमारे व्यक्तित्व की पूर्ण अभिव्यक्ति, पूर्ण संतुलन पूर्ण जागरण, पूर्ण दिव्य रूपांतरण होता है। इसलिए हम सब को प्रतिदिन नियमित योगाभ्यास करना चाहिए।

ग्राम पंचायत केवटाली के सरपंच रज्जू राम जी स्वयं योग में भाग लिया और कहा कि दैनिक जीवन शैली

में योग को आत्म सात अवश्य करना चाहिए रोगी होने से बचाता है योग।

योग सत्र में प्रदीप पैंकरा, शोधन प्रजापति, जगरे लाल यादव एवं ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

परियोजना कार्य में शिविरार्थी छात्राओं ने महादेव पारा एवं भंडार पारा में नशामुक्ति, स्वच्छता अभियान एवं ÷बेटी बचाव,बेटी पढ़ाओ÷ पर जन जागरूकता रैली, नुक्कड़ नाटक एवं दीवार लेखन के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। बौद्धिक सत्र में ओडगी बी ई ओ राजीव कुमार सिंह, संस्था के प्राचार्य कन्नीलाल पैंकरा, व्याख्याता सोमनाथ नागेशिया, श्रीमती सत्यवती गुप्ता के प्रेरक उद्बोधन से छात्राएं अभिभूत हुई।

शिविर में मितानिन दिवस पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन शिविर संचालिका रीता गिरी, स्वयं सेविका सपना यादव एवं रिया यादव द्वारा किया गया। इस अवसर पर बी डी सी श्री अभय प्रताप सिंह, सरपंच रज्जूराम सोनपाकर, रूपलाल ठाकुर पंचायत एवं समा.शि.संगठक,संत कुमार प्रजापति, उपसरपंच, नंदलाल राजवाड़े सचिव चंदरपुर, मुकेश कुमार यादव रोजगार सचिव केंवटाली, मितानिन उमा प्रजापति एवं सोनिया चेरवा तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तेतरी बाई,शारदा सिंह, सहायिका सुनीता राजवाड़े,प्रेरक रीता कुशवाहा उपस्थित रहे।

तातापानी महोत्सव हेतु जिला प्रशासन ने दिए कई निर्देश

- संवाददाता -
रामानुजगंज 23 नवंबर 2022 (घटती घटना)

तातापानी महोत्सव को लेकर जिला प्रशासन के द्वारा आयोजित बैठक में कई निर्णय लेते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु दिशा निर्देश दिए गए। कलेक्टर विजय दयाराम के ने कहा कि प्रत्येक वर्ष जिले के प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थल तातापानी में मकर संक्रांति के अवसर पर विशाल मेले का आयोजन किया जाता है। मकर संक्रांति के विशेष पर्व को तातापानी में बड़े हर्षो उल्लास के साथ मनाया जाता है। क्षेत्रवासियों के लिए तातापानी एक महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है एवं वर्षों से यहां मेला का आयोजन किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग ने कहा कि आगामी जनवरी माह में आयोजित होने वाले तातापानी महोत्सव का स्तर वृहद होगा, जिसके स्वरूप महोत्सव में पुलिस प्रशासन द्वारा उचित सुरक्षा व्यवस्था और अतिरिक्त पार्किंग स्थल बनाया जाएगा। साथ ही साथ भगदड़, विवाद और असमाजिक तत्वों पर कठोर कार्यवाही की बात कही। इस दौरान कलेक्टर विजय दयाराम के.और पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने जिला अधिकारियों के साथ मेला परिसर का भ्रमण करते हुए मुख्य मंच का जायजा लिया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर-जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद्. द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश जिन्दल स्व0 ताराचंद निवासी डी0सी0रोड थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के दादा स्व0 भोलू आ0 स्व0 कन्हैया की मृत्यु की दिनांक 20/07/1975 को स्थान निवास में हुई। आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।
उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 23/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2,जिला सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं 202211021700028/ अ-27/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुंवर साय आ0 चेंगटू उर्फ रामसेवक व अन्य 01 निवासी ग्राम भकुरा,तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम सरगवां स्थित भूमि कुल खसरा 06 कुल रकबा 2.370 हे0 भूमि का अनावेदक नान्हू राम आ0 चेंगटू उर्फ रामसेवक व अन्य 02 निवासी ग्राम सरगवां,तहसील अम्बिकापुर जिला-सरगुजा छ0ग0 के मध्य 1/5 भाग में बंटवारा कराने हेतु छ0ग0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 178 के तहत आवेदन प्रस्तुत किया गया है।
उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 12-12-2022 तक इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 11/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार, अम्बिकापुर-02

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी(रा) अम्बिकापुर,जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

रा0प्र0क्रं/ अ-2/2022-23

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक महेश सोनी आ0 आर0पी0सोनी जाति सोनार निवासी ग्राम/नगर मिशन चौक केदारपुर अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं अधिपत्य की भूमि स्थित ग्राम करजी तहसील अम्बिकापुर खसरा नंबर 366/5 रकबा 0.031 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए बी-1,खसरा, नक्शा, पंचायत प्रस्ताव, सेटलमेंट, रजिस्ट्री की प्रति सहित आवेदन प्रस्तुत किया है,जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।
अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो निर्धारित सुनवाई तिथि 08/12/2022 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/11/2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — अनुविभागीय अधिकारी(रा), अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार दरिमा, सरगुजा (छ0ग0)

रा0प्र0क्रं/ ब-121/21-22

ईश्तहार

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक धर्मेन्द्र कुमार टोप्पो आ0 स्व0 पवनसाय टोप्पो साकिन भालूकछार थाना दरिमा तहसील दरिमा जिला सरगुजा के द्वारा अपने दादा स्व0 दखल राम टोप्पो की मृत्यु दिनांक 20.04.2013 को अपने निवास स्थान ग्राम भालूकछार तहसील दरिमा में हुआ है। आवेदक अज्ञानता के कारण मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया है। मृत्यु का पंजीयन कराने हेतु स्वयं का शपथ पत्र अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, बी-1 वर्ष 20-21,चालान की प्रति सहित मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र न्यायालय में पेश किया है जो न्यायालय में विचाराधीन है।
उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 07-12-2022 तक न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 23-11-2022 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सील — तहसीलदार, दरिमा,सरगुजा(छ0ग0)

टी 20 रैंकिंग में सूर्यकुमार यादव का दबदबा बरकरार

890 अंकों के साथ नंबर एक पर हैं काबिज,रिजवान काफी पीछे

मेलबर्न,23 नवम्बर 2022। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव का टी20 रैंकिंग में दबदबा बरकरार है। हाल में ही न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने तीन मैचों की श्रृंखला को 1-0 से जीता था। इस श्रृंखला में सूर्यकुमार यादव ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की थी। दूसरे मुकाबले में उन्होंने शतक भी जड़ा था। उन्हें इस श्रृंखला में मैन ऑफ द मैच से नवाजा गया। आईसीसी की ओर से जारी ताजा रैंकिंग के मुताबिक सूर्यकुमार यादव के पास 890 अंक हैं और वह ञ्20 रैंकिंग में नंबर एक पर बरकरार है। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान है जिनके पास 836 अंक है। यादव ने माउंट माउंगानुई में दूसरे मैच के दौरान शानदार नाबाद 111 रनों की पारी खेली। इसके बाद वह 895 अंकों के स्कोर तक पहुंच गए थे।

नेपियर में तीसरे और अंतिम टी20 में सिर्फ 13 रन की पारी ने यादव की रेटिंग को 890 अंक तक गिरा दिया, लेकिन अभी भी वह ञ्20 में नंबर एक पर बने हुए हैं और रिजवान उनसे 54 अंक पीछे हैं। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉनवे 788 के साथ तीसरे नंबर पर हैं और वह बाबर आजम से आगे लिकल गए हैं। बाबर आजम के पास 778 है। भारत के सलामी बल्लेबाज ईशान किशन 10 स्थान की छलांग लगागर 33वें पायदान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की सूची में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार दो पायदान चढ़कर 11वें जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह एक पायदान ऊपर 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं। स्पिनर युजवेंद्र चहल आठ पायदान की छलांग लगाकर 40वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय दिग्गज विराट कोहली एकदिवसीय में बल्लेबाजों की रैंकिंग में छठे स्थान के साथ शीर्ष भारतीय है। कप्तान रोहित शर्मा आठवें पायदान पर बरकरार है। चोटिल जसप्रीत बुमराह गेंदबाजों की सूची में 11वें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और ट्रेविस हेड ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) पर 269 रन की शानदार साझेदारी के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में उल्लेखनीय सुधार किया। इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में दमदार प्रदर्शन करने वाले स्टीव स्मिथ भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग सातवें स्थान की बराबरी करने में सफल रहे।

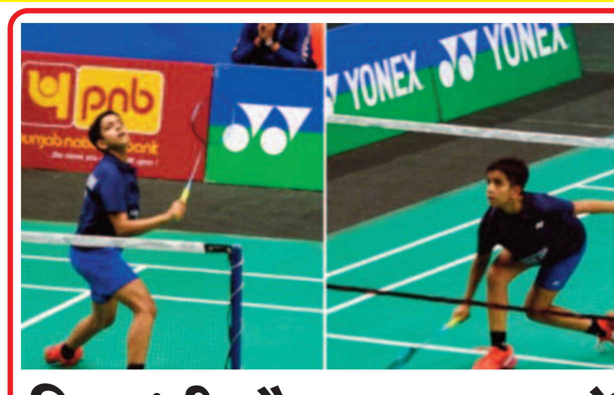

दिव्यांशी गौतम फाइनल में

» यूपी का पदक पक्का

लखनऊ ,23 नवंबर 2022। दिव्यांशी गौतम ने योनेक्स सनराईज 34वीं सब जूनियर अंडर -13 नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप-2022 में बालिका एकल के फाइनल में प्रवेश कर मेजबान उत्तर प्रदेश का पदक पक्का किया। बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी के बैडमिंटन हाल में दिव्यांशी को बालिका एकल के सेमीफाइनल में आंध प्रदेश की छठीं वरीय रेणुश्री को सीधे गेम में 21-16, 21-14 से हराया।

फाइनल में 15वीं वरीय दिव्यांशी की टक्कर आठवीं वरीय ओडिशा की तन्वी पत्री से होगी जिसने दूसरे सेमीफाइनल में आंध्र प्रदेश की पांचवीं वरीय तन्मई धमाम को 21-10, 21-12 से हराया।

दूसरी ओर बालक एकल का फाइनल 11वीं वरीय आंध्र प्रदेश के अखिल रेड्डी बोपा और चौथी वरीय तेलंगाना के निशांत भूक्या के बीच खेला जाएगा। बालक युगल के सेमीफाइनल में मणिपुर के मार्टिन इनगुदम व रिशव नागनोम ने छठीं वरीय तेलंगाना के निशांत भूक्या व अखिलेश गौड़ सोमगनी को 21-18, 21-16 से और दूसरी वरीय तमिलनाडु के मोहित दर्शन महेश कुमार व योगेश्वरन एस ने तीसरी वरीय कर्नाटक के पुष्कर साई व विहान को 24-22, 21-11 से हराया।

विश्व कप फुटबॉल में फ्रांस का जोरदार आगाज

ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराया,गिरोड,एमबापे मैच के हीरो

दोहा,23 नवम्बर 2022। ओलिवियर गिरोड और काइलन एमबापे के शानदार प्रदर्शन से फ्रांस ने ऑस्ट्रेलिया को 4-1 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता में अपने अभियान का जोरदार आगाज किया। करीम बेनजेमा की अनुपस्थिति में एमबापे ने एक गोल किया जबकि गिरोड के दो गोल में से एक गोल करने में मदद की। गिरोड ने 71वें मिनट में एमबापे के क्रॉस पर हैडर से गोल करके थियरे हेनरी के 51 गोल के राष्टीय रिकॉर्ड की बराबरी की। गिरोड पिछले विश्व कप में गोल करने में नाकाम रहे थे लेकिन उन्होंने 2014 में गोल किया था।

फ्रांस जब शनिवार को डेनमार्क का सामना करेगा तो उनके पास हेनरी के रिकॉर्ड को तोड़ने का मौका होगा। फ्रांस के कोच डिडिएर डेसचैम्प्स ने कहा, '' यह केवल रिकॉर्ड का पीछा करने से नहीं जुड़ा है लेकिन मैदान पर उनके प्रदर्शन से जुड़ा है। वह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण खिलाड़ी है।'' गिरोड के इस गोल से तीन मिनट पहले एमबापे ने ओस्मान डेम्बेले के क्रॉस पर गोल किया था। इससे पहले क्रेग गुडविन ने नौवें मिनट में ही गोल करके फ्रांस के समर्थकों को सकते में डाल दिया था। एड्रियन रैबियोट ने 27वें मिनट में गोल करकेफ्रांस को बराबरी दिलाई थी। रैबियोट ने इसके चार मिनट बाद गिरोड के पहले गोल में मदद की। फ्रांस अपने स्टार स्ट्राइकर बेनजेमा के बिना खेल रहा है जो चोटिल होने के कारण विश्वकप से बाहर हो गए थे।

माइक हसी इंग्लैंड के खिलाफ वार्नर-हेड की साझेदारी से प्रभावित हुए

मेलबर्न,23 नवम्बर 2022। दिग्गज आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर माइक हसी बल्लेबाज ट्रैविस हेड और डेविड वार्नर के बीच शानदार ओपनिंग साझेदारी देख रहे हैं। उन्होंने कहा, आरोन फिंच के संन्यास के बाद ट्रैविस हेड मौके का फायदा उठा रहे हैं। हेड ने 152 रनों की पारी खेली और डेविड वार्नर (106) के साथ 269 रनों की शानदार साझेदारी निभाई। जोड़ी ने इंग्लैंड को डीएलएस नियम से 221 रनों से हराकर मेलबर्न में तीन मैचों की सीरीज में भी टीम को क्लीन स्वीप कर दिया।

हसी ने सेन 1170 मॉर्निंग के हवाले से बुधवार को कहा, डेविड वार्नर ने पूरी श्रृंखला में शानदार पारी खेली। वहीं, हेड के पास अब सलामी बल्लेबाज के रूप में खेलने का मौका है।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर पहले विकेट के लिए 269 रन की साझेदारी किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी है।

हसी ने कहा, यह बिल्कुल अविश्वसनीय प्रदर्शन था और इसे कम करके नहीं आंका जा सकता। मुझे लगा कि यह बल्लेबाजी के लिए कठिन पिच होगी, जिसमें गेंदबाजों के लिए काफी मूवमेंट होगी और साथ ही बादल भी छाए रहेंगे, जिससे पिच पर नमी रहेगी।

उन्होंने आगे बताया, 30 ओवर के बाद टीम बिना विकेट गंवाए 150 रन पर थी। वे बल्लेबाजी के लिए कठिन परिस्थितियों में थे और इंग्लैंड शुरू से ही दबाव में था।

पुर्तगाल और घाना के मैच में रोनाल्डो पर टिकी रहेंगी निगाहें

दोहा,23 नवम्बर 2022। पुर्तगाल और घाना के बीच गुरुवार को यहां होने वाले मैच में सभी की निगाहें स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर टिकी होंगी जो कि अपना पांचवां और संभवत~ अंतिम विश्वकप खेल रहे हैं। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी मंगलवार से बिना क्लब का है क्योंकि मैनचेस्टर यूनाइटेड ने उनका अनुबंध रद्द कर दिया है। रोनाल्डो ने यूनाइटेड के कोच एरिक टेन हैग, क्लब के मालिक और साथी खिलाड़ियों की आलोचना की थी।

रोनाल्डो के पास क्लब स्तर पर अभी कोई टीम नहीं है और ऐसे में विश्वकप में उनका प्रदर्शन यह तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा यह दिग्गज खिलाड़ी भविष्य में किस टीम से जुड़ेगा। पांच बार वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोनाल्डो का चरम संभवत~ बीत चुका है लेकिन जब वह अपने रंग में होते हैं तो फिर उनके सामने कोई भी टीम नहीं टिक पाती है। रोनाल्डो ने यूनाइटेड से आपसी सहमति से नाता तोड़ने से पहले कहा था कि पुर्तगाल की तरफ से विश्वकप अभियान के दौरान उनके क्लब से जुड़े मसले उन्हें प्रभावित नहीं करेंगे।

रोनाल्डो अभी तक विश्वकप नहीं जीत पाए हैं और पहली बार ट्रॉफी हासिल करना ही इस विश्वकप में उनके लिए प्रेरणा होगी। इसके अलावा किसी नये क्लब को आकर्षित करना उनके लिए बोनस जैसा होगा। पुर्तगाल का सामना पहले मैच में ही उस टीम घाना से है जो कि विश्व कप में भाग ले रही सबसे कम रैंकिंग की टीम है लेकिन उसे छुपा रुस्तम माना जा रहा है। घाना की विश्व रैंकिंग 61 है। इस ग्रुप में उरूग्वे और दक्षिण कोरिया जैसी उलटफेर करने में सक्षम टीमें भी हैं।

इसके अलावा सऊदी अरब ने लियोनेल मेसी की अगुवाई वाले अर्जेंटीना को हराकर कमजोर टीमों को यह संदेश दे दिया है कि विश्वकप में कुछ भी असंभव नहीं है और वे अपने दिन पर उलटफेर कर सकती हैं। घाना के पास थामस पार्टे और मोहम्मद कुदुस जैसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने यूरोपीय क्लबों में अच्छा प्रदर्शन किया है।पुर्तगाल को इन खिलाड़ियों से सतर्क रहना होगा।

आईपीएल नीलामी में अपना नाम देंगे रूट

मुंबई ,23 नवम्बर 2022। इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट 23 दिसंबर 2022 को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के लिये होने वाली नीलामी में अपना नाम शामिल करेंगे। ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने यह जानकारी दी।

रूट ने इससे पहले 2018 की नीलामी में भी अपना नाम शामिल किया था लेकिन उन्हें किसी फ्रेंचाइजी ने नहीं खरीदा। वह इसके अलावा इंग्लैंड के टी20 ब्लास्ट और ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी थंडर्स के लिये खेल चुके हैं।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो ने कहा कि रूट को एक बार फिर किसी भी फ्रेंचाइजी द्वारा न खरीदे जाने की आशंका है, हालांकि उन्होंने किसी टीम या कीमत पर विचार नहीं किया है और वह दुनिया की प्रमुख टी20 लीग का अनुभव करना चाहते हैं। उन्होंने मई 2019 में पाकिस्तान के खिलाफ 42 गेंदों पर 47 रन बनाने के बाद से कोई टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है।

उल्लेखनीय है कि रूट ने कहा आईपीएल में समय मिलने से वह टी20 में अपनी कमियों को दूर कर पायेंगे।

रूट ने कहा था, संन्यास या धीमा होने या कम प्रारूप खेलने के बारे में मेरे मन में कोई विचार या भावना नहीं है। फिलहाल मैं अपने समय के साथ थोड़ा और आजाद महसूस कर रहा हूं। मैं हमेशा टी20 (सीरीज) के दौरान आराम करता था और मुझे लगता है कि मैं प्रारूप से अलग हो गया था क्योंकि मैंने इसे पर्याप्त समय नहीं दिया।

उन्होंने कहा था, आप ऐसा महसूस कर सकते हैं कि आप थोड़ा पीछे छूट रहे हैं। अगले कुछ साल उस प्रारूप को थोड़ा अधिक खेलने और यह पता लगाने का अच्छा समय हो सकते हैं कि मैं अपने खेल के उस पहलू को कितना आगे ले जा सकता हूं।

NEW ZEALAND CRICKET

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने मार्टिन गुप्टिल को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से किया रिलीज

आकलैंड ,23 नवम्बर 2022। अनुभवी बल्लेबाज मार्टिन गुप्टिल को न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज कर दिया है। हालांकि, यह कोई पहला मामला नहीं है, जिसे इस अनुबंध से बाहर किया गया हो, इससे पहले भी टीम के दो खिलाड़ी तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट और आलराउंडर कोलिन डी ग्रैंडहोम को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से रिलीज किया गया था। गुप्टिल ने आईसीसी के हवाले से कहा, अपने देश के लिए खेलना मेरे लिए गर्व की बात है। मुझे टीम और न्यूजीलैंड क्रिकेट के अंदर जो भी सम्मान मिला, उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं। बता दें, गप्टिल ने आस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप अभियान के दौरान या भारत के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की टी20 सीरीज में हिस्सा नहीं लिया था। खिलाड़ी ने कहा कि वह अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के लिए तैयार नहीं हैं।

उन्होंने आगे कहा, मैं वर्तमान परिस्थितियों में अपने विकल्पों पर विचार करने की आवश्यकता को समझने के लिए यथार्थवादी हूं। मेरे पास अन्य अवसरों का पता लगाने का मौका है और मुझे अपने परिवार के साथ भी अधिक समय बिताने का मौका मिलेगा।

गुप्टिल वर्तमान में टी20 क्रिकेट में न्यूजीलैंड के प्रमुख रन-स्कोरर हैं और वनडे प्रारूप में तीसरे सबसे बड़े खिलाड़ी हैं और न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी डेविड व्हाइट ने कहा कि अनुभवी सलामी बल्लेबाज को उनके अनुबंध से मुक्त कर दिया गया है।

जसवंत सिंह गिल बनेंगे अक्षय कुमार,आएगी फिल्म कैप्सूल गिल

अक्षय कुमार साल में कई फिल्में करते हैं। चर्चित इंजीनियर जसवंत सिंह गिल की बायोपिक को लेकर भी वह काफी समय से सुर्खियों में हैं। अब खुद अक्षय ने इस फिल्म पर अपनी मुहर लगा दी है। दरअसल, आज रेस्क्यू डे यानी बचाव दिवस के मौके पर केंद्रीय कोयला और खान मंत्री प्रहलाद जोशी ने जसवंत सिंह गिल को याद किया है। इसके तुरंत बाद अक्षय ने उन्हें जवाब दिया।

जसवंत सिंह गिल के सम्मान में ही 16 नवंबर को रेस्क्यू डे घोषित किया गया था। इस मौके पर प्रहलाद जोशी ने लिखा, 1989 में कोयले की खदान से 65 श्रमिकों को बचाने में उनकी वीर भूमिका के लिए स्वर्गीय सरदार जसवंत सिंह गिल जी को याद कर रहा हूं। हमें अपने कोयला खनन के योद्धाओं पर गर्व है। उनके इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर फिल्म कैप्सूल गिल पर चर्चा तेज हो गई है। प्रहलाद जोशी के पोस्ट को रीट्वीट कर अक्षय ने लिखा, यह एक ऐसी कहानी है, जैसी कोई और नहीं। निर्माता वाशु भगनानी ने लिखा, यह हमारा

सौभाग्य है कि स्वर्गीय जसवंत सिंह गिल जी की कहानी को हमें एक फिल्म के रूप में लोगों तक पहुंचाने का मौका मिला है। इस पर अक्षय ने लिखा, मेरा सौभाग्य है कि मैं जसवंत सिंह गिल जी का किरदार निभा रहा हूं। यह फिल्म अगले साल दर्शकों के बीच आएगी। फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई कर रहे हैं, जिन्होंने इससे पहले अक्षय के साथ रुस्तम में काम किया था। कैप्सूल गिल से अक्षय का लुक भी सामने आया था, जिसमें वह सरदार के गेटअप में दिख रहे थे। अक्षय ने दिलेर सिख जसवंत सिंह गिल की तरह दिखने के लिए काफी मेहनत की है। फिल्म के लिए उन्होंने अपना वजन बढाया है। लंबी दाढ़ी और सिर पर पगड़ी पहने अक्षय, गिल की तरह ही लग रहे थे। अक्षय ने अपने करियर में रुस्तम, एयरलिफ्ट, पैडमैन और केसरी जैसी कई फिल्मों रियल लाइफ हीरोज की भूमिका निभाई है। वह केसरी, सिंह इज किंग और सिंह इज ब्लिंग जैसी कई फिल्मों में पगड़ी पहने दिख चुके हैं और उन पर पगड़ी जंची भी है।

मानुषी छिल्लर ने की बोल्डनेस की हदें पार

एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर अपने बोल्ड अंदाज से हर किसी को अपना दीवाना बनाने का माद्दा रखती हैं। उनकी हॉटनेस को देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं। वहीं, एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर एक बार फिर अपने ग्लैमरस अंदाज को फ्लॉन्ट करती नजर आईं। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर इन दिनों अपनी लेटेस्ट तस्वीरों को लेकर सुर्खियों में बनी हुई है। एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर येलो कलर की डीपनेक ऑफ शोल्डर आउटफिट में अपनी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। बॉलीवुड में फिल्म पृथ्वीराज से करियर का आगाज करने वाली एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर अपने ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। तस्वीरों सोशल मीडिया पर वायरल होते ही मानुषी ट्रोल हो गई, किसी ने उनकी ड्रेस को पर्दा बताया तो किसी ने उनकी ड्रेस को झाड़ू ड्रेस बताया। एक्ट्रेस मानुषी छिल्लर की ये तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। फैंस उनकी तस्वीर को देखकर उन पर फिदा हो रहे हैं।

CMYK

दो खनिज अफसर भी गिरफ्त में,4 जेल अभिरक्षा वाले भी पेश

» मनी लांड्रिंग और कोयला घोटाले के जेल अभिरक्षा खत्म,

» सभी आरोपी कोर्ट पहुंचे,

» बलरामपुर के खनिज अधिकारी बारीक और एक इन्स्पेक्टर ईडी की गिरफ्त में,

» ईडी मांगेगी सभी की रिमांड

रायपुर,23 नवम्बर 2022(ए)। मनी लांड्रिंग और कोयला घोटाले की जेल अभिरक्षा ख़त्म होने के बाद ईडी की स्पेशल कोर्ट में आज सूर्यकांत, आईएएस समीर बिश्नोई, लक्ष्मीकांत और सुनील अग्रवाल को पेश किया गया है। सभी आरोपी कोर्ट पहुंच गए हैं और स्पेशल कोर्ट में उनकी पुकार होगी तो पेश किया जायेगा। न्यायाधीश राजपूत सेकेण्ड हाफ में संभवतयः अपना फैसला सुनाएंगे।

ई डी ने बलरामपुर के खनिज अधिकारी बारीक और एक इन्स्पेक्टर को भी गिरफ्त में लिया है। उम्मीद की जा रही है कि श्रेष्ठ सभी की रिमांड मांगेगी। इसमें खनिज अफसर और इन्स्पेक्टर समेत अन्य की रिमांड मिल सकती है। वहीं आईएएस बिश्नोई और सुनील अग्रवाल जमानत के लिए प्रयासरत हैं। लेकिन फ़िलहाल वह आसान नहीं लग रहा। मनी लांड्रिंग और कोयला घोटाले के मामले में गिरफ्तार सुनील अग्रवाल ने जमानत याचिका पर अब से कुछ देर में सुनवाई होगी।। वहीं आईएएस समीर विश्नोई और चार अन्य भी रिमांड के लिए पेश होंगे। सभी कोर्ट पहुंच गए हैं। इनके नाम के हांके से पहले सभी को कोर्ट परिसर की पुलिस चौकी में बिठा कर रखा गया है। जहां गहमागहमी शुरू हो गई है।

इसी मामले में ईडी ने मंगलवार को बलरामपुर संयुक्त जिले के खनिज अधिकारी अवधेश बारीक को गिरफ्तार किया। इसे भी पेश किया जाएगा। वहीं धमतरी के खनिज निरीक्षक खिलावन भूआर्य को हिरासत में लिया है। ईडी ने धमतरी के खनिज अधिकारी बजरंग पैकरा से भी सोमवार को देर रात तक पूछताछ कर कई अहम जानकारियां जुटा लिया है।

सुनील अग्रवाल की जमानत याचिका दायर की जा रही है। दोपहर साढ़े बारह बजे विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की अदालत में पेश किया जाएगा। बारीक से पहले इन मामलों में आईएएस समीर विश्नोई की जमानत याचिका दो बार खारिज हो चुकी है।

कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी, ट्रांसपोर्टर लक्ष्मीकांत तिवारी 11 अक्टूबर को गिरफ्तारी के बाद न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी फिर से रिमांड पर लेने का आवेदन देगी। वहीं बचाव पक्ष के वकील जमानत पर रिहाई की कोशिश करेंगे। इसके लिए बारीक और खिलावन से हुई पूछताछ में कई सबूत आरोपियों की जमानत और रहत के रस्ते में रोड़ा बन सकते हैं।

भूपेश कैबिनेट की अहम बैठक आज

आदिवासी आरक्षण कटौती समेत लिए जा सकते है अहम फैसले

रायपुर,23 नवम्बर 2022(ए)। प्रदेश में कल यानि 24 नवंबर को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल एक अहम कैबिनेट बैठक करने जा रहे है। इस बैठक में विधानसभा के विशेष सत्र को लेकर कई अहम निर्णय लिया जा सकता है। वहीं आदिवासी आरक्षण की कटौती के बाद राज्य सरकार विधानसभा में आरक्षण बहाली को लेकर प्रस्ताव ला सकती है। कई प्रस्तावों को कैबिनेट में मंजूरी दी जा सकती है।

जानकरी के अनुसार विधानसभा की विशेष सत्र 1 और 2 दिसंबर को है। बता दे की अगले साल चुनाव होने है जिसे लेकर प्रदेश में अभी से राजनीती गर्म हो चुकी है। ऐसे राज्य सरकार अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अभी से एक्शन मूड में है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगातार विभागों की समीक्षा किए है। इसके बाद भेंट मुलाकात के जरिए सीएम भूपेश बघेल लोगों से योजनाओं को लेकर जानकारी ले रहे हैं।

आरक्षण के मुद्दे पर मंत्री को करना पड़ा आदिवासी समाज के विरोध का सामना

रायपुर,23 नवम्बर 2022(ए)। भानुप्रतापपुर विधानसभा उपचुनाव में आरक्षण में कटौती को लेकर सर्व आदिवासी समाज की नाराजगी सामने आई है। भानुप्रतापपुर के ग्राम पंचायत बोगर में चुनाव प्रचार में गए छत्ते तीसगढ़ सरकार में मंत्री कवासी लखमा को आदिवासी समाज के विरोध का सामना करना पड़ा। कांग्रेस प्रत्याशी सावित्री मंडावी के समर्थन में प्रचार करने गए मंत्री को आदिवासियों ने प्रचार करने से रोक दिया।

वीडियो में आप देख सकते हैं कि आदिवासी समाज का कहना है कि कहा, आदिवासियों के अधिकार का विरोध करने वाला हमारा नेता हो ही नहीं सकता है। इसी बीच आदिवासियों ने मंत्री लखमा के सामने ही सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। इस दौरान समाज के लोगों की मंत्री लखमा के बीच बहस भी हुई। मालूम हो कि छत्ते तीसगढ़ में आदिवासियों का आरक्षण 12 प्रतिशत कम होने से आदिवासी संगठन नाराज हैं।

आदिवासियों के आरक्षण में कटौती का विरोध करने के लिए आदिवासी समाज ने विधानसभा क्षेत्र की सभी 85 पंचायतों से एक-एक प्रत्याशी को मैदान में उतारने की योजना बनाई थी। 42 पंचायतों से एक एक अभ्यर्थी ने नामांकन पत्र भी खरीदा था। हालांकि सभी ने नामांकन दाखिल नहीं किया। भानुप्रतापपुर उप चुनाव के मैदान में सात प्रत्याशी आमने सामने हैं। मुख्य मुकाबला कांग्रेस की सावित्री मंडावी व भाजपा के ब्रम्हानंद नेताम के बीच ही बचा है। आदिवासी समाज के बैनर पर अब एक ही प्रत्याशी पूर्व आइपीएस अकबर राम कोर्राम चुनाव मैदान में हैं। सर्व आदिवासी समाज के पदाधिकारी उन्हें ही वोट देने की शपथ दिला रहे हैं।

भूपेश ने भावुक होकर कहे:रमन सिंह ने मेरी मां तक को नहीं बख्शा

» पूरे परिवार को थाने में बिठाकर रखा,

» सीएम रहते हुए खूब किया प्रताड़ित

राजनांदगांव 23 नवम्बर 2022(ए)। भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के लिए राजनांदगांव जिले के दौरे पर गए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व सीएम डॉ रमन सिंह को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए रमन सिंह ने उन्हें और उनके परिवार को खूब परेशान किया था। रमन सिंह के चलते मेरी मां तक को थाने में बैठना पड़ा था।

तब राजनांदगांव जाना काफी महंगा पड़ा

सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि रमन सिंह जब मुख्यमंत्री थे, तब मैं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष था और उस वक्त राजनांदगांव आना हुआ था, लेकिन उसकी बहुत बड़ी कीमत मुझे चुकानी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि मुझे और मेरे परिवार यहां तक कि मेरी मां को थाने में बैठना पड़ा था। मेरी मां कभी थाने नहीं गई थी, लेकिन रमन सिंह के कारण उन्हें वहां भी जाना पड़ गया। बघेल ने कहा कि मेरे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। यह सब रमन सिंह ने करवाया था। मेरी संपत्ति की जांच भी कराई गई थी, घर की जांच कराई गई थी, लेकिन मैं डरता नहीं हूं।

मेरी जांच के लिए बनाते हैं दबाव

सीएम ने कहा कि अब जब भी रमन सिंह दिल्ली जाते हैं, या फिर कोई केंद्रीय मंत्री यहां आते हैं, तो रमन उन्हें उकसाते हैं कि इसकी भी जांच कराओ, उसकी भी जांच कराओ। उन्होंने कहा कि पहले सत्ता में थे, तो खुद प्रताड़ित किया और अब केंद्र के माध्यम से प्रताड़ित करवा रहे हैं। लेकिन जितना भी कोशिश कर लो, कुछ नहीं होने वाला है।

सामंतवादी सोच के हैं रमन सिंह

भूपेश बघेल ने कहा कि रमन सिंह की सोच सामंती है। उनके अंदर की जो घृणा है, वो कहती है कि मैं चूहा हूं। भूपेश बघेल ने कहा कि मैंने कभी रमन सिंह के बारे में गलत तरीके से बात नहीं की, लेकिन भानुप्रतापपुर में उन्होंने मेरे बारे में साफ कहा कि ये मुसवा है, अब बाघ बन गया है, इसे फिर मुसवा बनाना है।

भूपेश बघेल ने बीजेपी के प्रदेश प्रभारी ओम माथुर पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ओम माथुर और बीजेपी के छुटभैया नेता राहुल गांधी जी को लेकर कुछ कहेंगे, तो लोग विश्वास नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के प्रभारी ओम माथुर कन्फ्यूज हैं। मैं चैलेंज करता हूं कि बीजेपी का कोई एक भी नेता उनके जितना पदयात्रा करके दिखा दे, तो मैं मान जाऊंगा। भारत जोड़ो यात्रा की सफलता से बीजेपी के लोगों के होश उड़े हुए हैं।

आक्रामक होकर सरकार की गलत नीतियों का विरोध करे भाजपा का हर एक कार्यकर्ता:ओम माथुर

रायपुर,23 नवम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ में मिशन 2023 की तैयारी में जुटी भाजपा को प्रदेश प्रभारी ओम माथुर ने जीत का मंत्र दिया है। उन्होंने साफ कहा कि एक-एक कार्यकर्ता को आक्रामक होकर सरकार की गलत नीतियों का विरोध करना है।

कांग्रेस के विधायकों को उनके कामकाज के आधार पर घेरना है। माथुर ने कहा कि कांग्रेस के विधायक हार जाएंगे तो भाजपा की सरकार खुद बन जाएगी। माथुर की मौजूदगी में दिसंबर में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर आंदोलन की रणनीति बनी।

बता दें कि प्रदेश प्रभारी लगातार दो दिनों से बैठके ले रहे हैं जो तीसरे दिन भी जारी रही। उनका यह पहला छत्तीसगढ़ प्रवास है जिसमें वे सभी से व्यक्तिगत चर्चा कर रहे हैं। सभी कार्यों को सुनना और जानने का काम इस दौरान किया।

उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि छत्तीसगढ़ में लगातार भ्रष्टाचार हो रहा है जिसे खत्म करना है। उन्होंने मुख्यमंत्री और विधायकों को टारगेट करने कहा है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगड़ हमारे लिए कोई चुनौती नहीं है।

आरक्षण के मामले पर ओम माथुर ने कहा कि यह पूरा मामला कोर्ट का है इसका जवाब आने वाले समय में मतदाता देंगे। उन्होंने कांग्रेस पर राम नाम को लेकर आरोप लगाते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी केवल चुनाव के लिए राम का नाम जपती है। चुनाव के दौरान ही इन्हें राम, मंदिर जनेउ सब याद आता है। इसी के साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के चुनौती वाले बयान पर कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अहमद पटेल बनने का प्रयास ना करें मुख्यमंत्री को अपने शब्दो की मर्यादा बना कर रखनी चाहिए।

बोलेरो और ट्रक के बीच टक्कर, एक ही परिवार के 8 लोगों की मौत

कांकेर ,23 नवम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़-तेलंगाना राज्य की सीमा में एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया है। जहां एक ही परिवार के 8 लोगो की मौत हो गयी है। बताया जा रहा है की बोलेरो में 10 लोग सवार थे जिसमें 6 लोगो की मौके पर मौत हो गयी और 2 ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हुए है जिनका इलाज जारी है। यह पूरी घटना भद्राचलम का है।

जानकरी के अनुसार भद्राचलम में अस्थि विसर्जन कर लौटते वक्त बोलेरो और ट्रक की टक्कर हो गई। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल पहुंचाया जहां दो लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद सभी 8 शवों को आज बम्हनी गांव पहुंचाया गया है। एक्सीडेंट में घायल दो बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिनका इलाज जारी है। मरने वाले सभी एक ही परिवार के सदस्य थे। पोस्टमॉर्टम के बाद सभी शवों को गांव ले जाया गया है।

पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पहले कोंडागांव जिले में पदस्थ एक जवान ने सुसाइड कर लिया था। मृत जवान के परिवार के 10 सदस्य बोलेरो वाहन में सवार होकर तेलंगाना के भद्राचलम में दो दिन पहले अस्थि विसर्जन के लिए गए हुए थे। मंगलवार की देर शाम बस्तर लौट रहे थे। इसी बीच छत्तीसगढ़ से 30 किमी पहले बोड्डुगुडेम गांव के पास वाहन की ट्रक से भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद वाहन में सवार कुछ लोग दूर जा गिरे जबकि ड्राइवर समेत एक बुजुर्ग वाहन में ही फंसे थे। जिन्हें बहार निकाला गया। मार्ग से गुजर रहे लोगों ने सभी घायलों को भद्राचलम अस्पताल पहुंचाया, जहां 2 लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 2 घायलों का इलाज जारी है।

निलंबित आईएएस समीर विश्नोई,सूर्यकांत तिवारी सहित चारों की जमानत याचिका नामंजूर

6 दिसम्बर तक जेल अभिरक्षा में भेजा गया

रायपुर ,23 नवम्बर 2022(ए)। कोयला परिवहन घोटाले में जेल में बंद आईएएस समीर बिश्नोई, सूर्यकांत तिवारी, सुनील अग्रवाल और लक्ष्मीकांत तिवारी को आज फिर कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने इनकी जमानत याचिका को नामंजूर कर दिया है। साथ ही इन सभी को कोर्ट ने 6 दिसम्बर तक जेल अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए हैं।

एएसआई समेत आरक्षको का हुआ ट्रांसफर

बिलासपुर ,23 नवम्बर 2022(ए)। पुलिस विभाग में एसएसपी पारुल माथुर ने एएसआई और प्रधानआरक्षको का ट्रांसफर किया है। बिलासपुर जिले में पदस्थ 7 एएसआई व 24 प्रधानआरक्षको का तबादला कर दिया गया है।

3 जनसूचना अधिकारियों पर लगा 25-25 हजार का जुर्माना

» एक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही की अनुशंसा

रायपुर,23 नवम्बर 2022(ए)। छत्तीसगढ़ राज्य सूचना आयोग के राज्य सूचना आयुक्त मनोज त्रिवेदी ने समय पर जानकारी उपलब्ध नहीं कराने वाले और सूचना का अधिकार अधिनियम का पालन नहीं करने वाले तीन जनसूचना अधिकारी पर 25-25 हजार रूपए का जुर्माना लगाया है। उन्होंने संबंधितों को निर्देश दिए हैं कि अर्थदंड की राशि संबंधित से वसूली कर शासकीय कोष में जमा कराकर आयेग को सूचित करें।

उल्लेखनीय है कि सूचना का अधिकार का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक जागरूक नागरिक को उनकी इच्छित सूचनाएं आसानी से उपलब्ध करवाना है। यदि कोई विभाग अथवा संस्था जानकारी देने से इनकार करता हैं, तो उनके विरुद्ध सूचना आयोग में शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है।

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत आवेदक मोहितराम ग्राम खरवानी तहसील करतला जिला कोरबा ने जनसूचना अधिकारी जनपद पंचायत करतला को 18 जुलाई 2016 को आवेदन प्रस्तुत कर सचिव ग्राम पंचायत खरवानी विकासखण्ड करतला के द्वारा आवदेन लेने से इंकार करने पंचायत खरवानी से एक फरवरी 2015 से एक जून 2016 तक रोकड़ पंजी की छायाप्रति, बिल व्हाउचर और मूलभूत राशि एवं 14वें वित्त के खर्च के विवरण की छायाप्रति की मांग की।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत करतला से समय पर जानकारी प्राप्त नहीं होने पर 22 अगस्त 2016 को प्रथम अपील आवेदन प्रस्तुत किया, किन्तु प्रथम अपीलीय अधिकारी के कोई निर्णय पारित नहीं करने के कारण असंतुष्ट होकर आयोग में 10 अक्टूबर 2016 को द्वितीय अपील किया। राज्य सूचना आयुक्त ने आवेदन का अवलोकन कर अधिनियम के तहत अपीलार्थी और जनसूचना अधिकारी को सुनने के पश्चात अपीलार्थी को समय सीमा में जानकारी नहीं प्रदाय करने एवं आयोग में कोई जबाब प्रस्तुत नहीं करने के साथ ही आयोग के पत्रों का कोई जवाब नहीं देने को गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत करतला के (तत्कालीन जनसूचना अधिकारी) के विरूद्ध धारा 20 (1) के तहत 25 हजार रूपए का अर्थदण्ड की राशि अधिरोपित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पंचायत कोरबा ने प्रथम अपील के प्रकरण का विधि और जिम्मेदारी पूर्वक निर्वहन नहीं करने अपर मुख्य सचिव छत्तीसगढ़ शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को अनुशासनात्मक कार्यवाही की अनुशंसा की है।

सी प्रकार दुर्ग निवासी हरिप्रसाद शुक्ला ने जनसूचना अधिकारी कलेक्टोरेट कोरबा से बालको को 1200 मेगावाट ताप विद्युत संयंत्र स्थापना प्रयोजनार्थ 30 वर्ष की लीज पर आबंटन के संबंध में 5 बिन्दु पर जानकारी मांगे थे, जिसमें बालको द्वारा एक जून 2019 को शासन के पक्ष में त्यजन तथा तहसीलदार द्वारा त्यजन स्वीकार करने के आदेश की प्रमाणित प्रतिलिपि, नगर एवं ग्राम निवेश, नगर निगम कोरबा, छ.ग. आवास एवं पर्यावरण विभाग, वन संरक्षण अधिनियम के अन्तर्गत संबंधित विभाग से प्राप्त अनापत्ति प्रमाणपत्र तथा छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 214 के तहत वृक्षों की कटाई के लिए पृथक अनुमति पत्र की छायाप्रति की मांग की थी। जनसूचना अधिकारी से जानकारी प्राप्त नहीं होने के कारण प्रथम अपीलीय अधिकारी को 29 जुलाई 2019 को आवेदन किया किन्तु प्रथम अपीलीय अधिकारी के द्वारा विनिश्चय नहीं करने से असंतुष्ट 13 सितम्बर 2019 को आयोग में द्वितीय अपील प्रस्तुत किया।

राज्य सूचना आयुक्त मनोज त्रिवेदी ने प्रकरण का बारीकी से अध्ययन कर आवेदक और जनसूचना अधिकारी एवं प्रथम अपीलीय अधिकारी को सुनवाई का पर्याप्त अवसर प्रदान किया। तत्कालीन जनसूचना अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कोरबा ने आवेदक को समय सीमा में जानकारी नहीं दी और उनके द्वारा आयोग में जवाब प्रस्तुत नहीं करने के कारण मनोज त्रिवेदी ने सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 20 (1) के तहत 25 हजार रूपए का अर्थदण्ड की राशि अधिरोपित किया गया और कलेक्टर कोरबा को निर्देशित किया कि अधिरोपित अर्थदण्ड की राशि संबंधित से वसूली कर शासकीय कोष में जमा कराकर आयोग को सूचित करें।

रामपुर कोरबा निवासी उपेन्द्र राठौर ने जनसूचना अधिकारी एवं सचिव ग्राम पंचायत कछार को 22 सितंबर 2016 को आवेदन देकर जनवरी 2016 से अगस्त 2016 तक ग्राम पंचायक कछार को छत्तीसगढ शासन एवं केन्द्र सरकार के विभिन्न योजनाओं के तहत प्राप्त आबंटन आदेश की छायाप्रति, इस संबंध में कार्य प्रारंभ एवं समाप्ति की तिथि सहित ग्राम पंचायत कछार के सरपंच के अनुमादन से किए गए ग्राम सभा के बैठक की रजिस्टर की सत्यापित प्रतिलिपि की मांग की। आवेदक द्वारा चाही गई जानकारी प्राप्त नहीं होने पर प्रथम अपीलीय अधिकारी को 9 नवंबर 2016 को आवेदन किया किन्तु प्रथम अपीलीय अधिकारी के द्वारा विनिश्चय नहीं करने से असंतुष्ट 01 जुलाई 2016 को आयोग में द्वितीय अपील प्रस्तुत किया।

राज्य सूचना आयुक्त ने आयोग से तत्कालीन जनसूचना अधिकारी ग्राम पंचायत कछार को 6 बार नोटिस भेजी किन्तु कोई जवाब नहीं मिला, जिसके कारण मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोरबा को नेटिस को तामील कराकर आयोग को सूचित करने कहा गया। नोटिस तामील होने के बाद भी तत्कालीन जनसूचना अधिकारी ग्राम पंचायत कछार से कोई जवाब प्राप्त नहीं होने के कारण सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 20 (1) के तहत 25 हजार रूपए का अर्थदण्ड की राशि अधिरोपित किया गया और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा को निर्देशित किया कि अधिरोपित अर्थदण्ड की राशि संबंधित से वसूली कर शासकीय कोष में जमा कराकर आयोग को सूचित करें। साथ ही यह भी कहा कि प्रथम अपीलीय अधिकारी जनपद पंचायत कोरबा अपील प्रकरण को शासन के निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)